सेंसेक्स	~	82,445.21
निफ्टी	~	25,103.20
सोना	~	97690
चांदी	~	1,08,000
डॉलर	~	85.66

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शुक्रवार 13 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 258
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

ब्लैक थर्सडे : अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन रिहायसी इलाके में क्रैश

लंदन जा रही फ्लाइट में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक थे सवार, हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन

240 यात्रियों की मौत, 2 जिंदा

गृह मंत्री अमित शाह ने हादसे की जगह पहुंच कर जायजा लिया, अधिकारियों को दिए निर्देश

अ ह म दा बा द । अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें सवार 240 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। अब तक हादसे में केवल दो लोगों के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है। पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी गई है कि प्लेन की सीट नंबर 11-ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं।

एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन ने लंदन के लिए उड़ान भरी थी। क्रैश हुआ विमान एक मॉडर्न एयरक्राफ्ट है, जिसे दिसंबर 2013 में बोइंग कॉमर्शियल एयरप्लेन्स ने बनाया था। बोइंग के 787 विमान के 15 साल के इतिहास में यह पहला क्रैश है। ये मिड-साइज, ट्विन-इंजन, वाइड-बॉडी जेट है, जो लंबी दूरी की उड़ानों के लिए डिजाइन किया गया है। ये एक बार में 14,000 किमी तक उड़ सकता है। गृह मंत्री अमित शाह ने हादसे की जगह पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

सभी शव बुरी तरह झुलसे

हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। विमान रिहायशी इलाके में क्रैश हुआ। अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेकऑफ करते ही हादसे का शिकार हो गया। एयर इंडिया का विमान एआई171 हादसे का शिकार हुआ है, जो अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। यह विमान बोइंग बी787 एयरक्राफ्ट वीटी-एएनबी था।

होश आया तो सिर्फ लाशे दिखीं

हादसे में बचे रमेश विश्वास कुमार ने कहा कि टेकऑफ के 30 सेकंड बाद ही प्लेन जबरदस्त आवाज के साथ क्रैश हो गया। मुझे होश आया तो मेरे अगल-बगल लाशें ही लाशें थी। प्लेन के टुकड़े चारों तरफ बिखरे हुए थे। मुझे किसी ने उठाया और एंबुलेंस में डाल दिया। मेरा भाई भी मेरे साथ प्लेन में सफर कर रहा था।

प्लेन का टेल विंग हॉस्टल कंपाउंड में मौजूद

अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन डॉक्टर्स हॉस्टल से टकराया था। यहां विमान का अगला हिस्सा पूरी तरह जल गया है। वीडियो में हॉस्टल परिसर में प्लेन की टेल टूटी हुई दिख रही है। गुजरात स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि अहमदाबाद सिविल अस्पताल के छात्र छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और अन्य आवासीय क्षेत्र उस क्षेत्र में स्थित हैं जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। लगभग 50 घायलों को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में लाया गया है।

पायलट ने मेडे की कॉल की थी

डीजीसीए ने बताया कि विमान में दो पायलट और केबिन क्रू के 12 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। डीजीसीए ने बताया कि विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल की थी, लेकिन जब एटीसी ने एयरक्राफ्ट से संपर्क साधने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला।

दुर्घटना की जांच करेगा एएआईबी

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एयर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच करेगा। दुर्घटना में शामिल एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान में 12 चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। अधिकारी ने कहा कि एएआईबी के महानिदेशक और एजेंसी में जांच निदेशक सहित अन्य लोग अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत, एएआईबी भारतीय हवाई क्षेत्र में परिचालन करने वाले विमानों से जुड़ी सुरक्षा घटनाओं को दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं में वर्गीकृत करने के लिए जिम्मेदार है। यह दुर्घटनाओं की विस्तृत जांच करता है और सुरक्षा में सुधार के उपाय भी सुझाता है। बोइंग ने एक बयान में कहा, हम शुरुआती रिपोर्टों से अवगत हैं और अधिक जानकारी जुटाने के लिए काम कर रहे हैं।

37 साल बाद अहमदाबाद में हादसा

19 अक्तूबर 1988 को भी अहमदाबाद एयरपोर्ट के करीब एक बड़ा विमान हादसा हुआ था। उस हादसे में 113 लोगों की मौत हुई थी। उस दिन बोइंग 737-200 विमान ने सुबह 6.05 बजे मुंबई से उड़ान भरी। 6.20 बजे पायलट ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से कम दृश्यता के चलते मौसम की जानकारी मांगी। हालांकि, अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने के बाद पायलट ने लैंडिंग की अनुमति नहीं मांगी और सुबह 6.53 बजे चिलोदा कोतरपुर के करीब एक पेड़ और बिजली के ट्रांसमिशन टावर से टकरा गया। बताया जाता है कि कॉकपिट में मौजूद वॉयस रिकॉर्डर से सामने आया था कि विमान में दोनों पायलट कम दृश्यता के चलते रनवे खोजने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान वे विमान को नीचे भी उतारते जा रहे थे। जब यह विमान 1000 फीट की ऊंचाई पर रह गया, तभी यह बिजली के ट्रांसमिशन टावर से टकरा गया और एयरपोर्ट से करीब 3 किलोमीटर दूर क्रैश हो गया।

पीएम मोदी ने विमान दुर्घटना की जानकारी ली

प्रधानमंत्री मोदी ने घटना पर ट्वीट करते हुए लिखा कि अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं। सभी लोग प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से बात की और विमान हादसे की जानकारी ली।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का विमान हादसे में निधन

गुरुवार की दोपहर अहमदाबाद में विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन हो गया है। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री और गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने इसकी पुष्टि कर दी है। विजय रूपाणी गुरुवार की दोपहर लंदन के लिए उड़ान भरने वाले विमान में सवार 242 यात्रियों में से एक थे। रिपोर्ट्स बताती हैं कि विजय रूपाणी का नाम फ्लाइट मेनिफेस्ट में यात्री संख्या 12 के रूप में सूचीबद्ध था। उन्हें जेड क्लास में बुक किया गया था, जो बिजनेस क्लास श्रेणी में आता है। विमान हादसे को लेकर केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटील ने गहरा दुख व्यक्त किया है और इस दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा को शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने कहा कि यह भाजपा परिवार के लिए बहुत बड़ा सदमा है। गुजरात पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन को कभी नहीं भूल सकता। हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। बता दें कि विजय रूपाणी भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री थे। विजय रूपाणी 2016 से 2021 गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।

वैश्विक नेताओं ने अहमदाबाद विमान हादसे पर दुःख जताया

नई दिल्ली। अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से दुनियाभर में शोक की लहर दौड़ गई है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस दुर्घटना को विनाशकारी दृश्य बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर बेहद दुखद है। इस विमान में कई ब्रिटिश नागरिक सवार थे। मैं लगातार स्थिति की जानकारी ले रहा हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ हैं। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री डेविड लैमी ने भी हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में हुए इस भीषण विमान हादसे की खबर से बेहद दुखी हूं। सभी प्रभावित लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। यूके सरकार स्थानीय भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्य जुटाने और सहायता पहुंचाने में जुटी है। ब्रिटिश कंज़र्वेटिव पार्टी की सांसद प्रीति पटेल ने यूके सरकार से अपील की कि वह भारत सरकार के साथ मिलकर ब्रिटिश परिवारों को मदद पहुंचाएं।

उन्होंने कहा, अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से प्रभावित सभी लोगों के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं। यह हादसा उन परिवारों के लिए अत्यंत चिंता का विषय है, जिनके प्रियजन विमान में सवार थे। सरकार को तत्काल भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश नागरिकों की मदद करनी चाहिए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इस दुखद हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, भारत में हुए यात्री विमान हादसे की भयावह खबर मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता के प्रति मेरी गहरी संवेदना। हम भारत, यूके, पुर्तगाल और कनाडा के पीड़ितों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलिपोव ने भी हादसे को भीषण त्रासदी बताया और कहा, अहमदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर आ रही है। पीड़ितों के परिजनों, भारत की जनता और सरकार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

जाको राखे साइयां, मार सके न कोय, एक यात्री की जान बची

अहमदाबाद में हुए दिल दहला देनेवाले विमान हादसे में सभी 240 यात्रियों की मौत की खबर है। घटना के वक्त विमान में 242 लोग सवार थे। जिसमें से एक यात्री को बचा लिया गया है। विमान हादसे में जिंदा बचे रमेश विश्वास ने कहा कि उनका बचना किसी करिश्मे से कम नहीं हैं। रमेश विश्वास एयर इंडिया की फ्लाइट में 11ए सीट पर बैठे थे। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल रमेश विश्वास बताया कि टेकऑफ के 34 सेकेंट के बाद ही प्लेन जबर्दस्त आवाज के साथ क्रैश हो गया। जब मुझे होश आया तो मेरे आसपास लाशें ही लाशें थीं। फ्लाइट के टुकड़े चारों तरफ बिखरे हुए थे। मुझे किसी ने उठाया और एंबुलेंस में डाल दिया। रमेश विश्वास का एक वीडियो सामने आया है,

जिसमें वह पैदल चलते दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे समेत शरीर गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल रमेश विश्वास का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बता दें कि गुरुवार को अहमदाबाद में हुए भयानक विमान हादसे में 240 यात्रियों की मौत हो गई है। घटना के वक्त विमान में क्रू मेम्बर समेत कुल 242 लोग सवार थे। जिसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाल, 1 कनाडाई और 12 क्रू मेम्बर शामिल हैं।

खास खबर

भारत में 50698 धन कुबेर, भारत नंबर वन पर

नई दिल्ली। भारत में धन कुबेरों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है।भारत के धन कुबेरों ने सभी देशों को इस मामले में पीछे छोड़ दिया है। बाइटफ्रैंक की ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट के अनुसार भारत में हाई नेटवर्थ वाले आयकर दाताओं की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। इनकी संख्या 85698 हो गई है। दुनिया भर के कुल अमीरों में भारत के अमीरों की संख्या 3.7 फ़ीसदी पर पहुंच गई है। भारत के आगे अब केवल अमेरिका चीन और जापान हैं। भारत में अमीरों की संख्या जिस तेजी के साथ बढ़ रही है। 2028 तक भारत में धन कुबेरों की संख्या बढ़कर 94 हजार तक पहुंच जाएगी। भारत में 10 मिलियन डॉलर, भारतीय मुद्रा में 87 करोड रुपए से ज्यादा की नेट वर्थ वाले धन कुबेरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह वृद्धि शेयर बाजार की कमाई के कारण बढ़ रही है।

गूगल पर अहमदाबाद को 4 घंटों में 1 मिलियन लोगों ने सर्च किया

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एक दर्दनाक एयर इंडिया प्लेन क्रैश के बाद गूगल पर अहमदाबाद प्लेन क्रैश और अहमदाबाद कहां है जैसे सर्चेज की बाढ़ आ गई।अहमदाबाद को टेक्सटाइल, फार्मा और जेम्स-जूलरी इंडस्ट्री का सेंटर माना जाता है।

12 जून 2025 को दोपहर 1:38 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट ड्ढ171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रही थी। टेकऑफ के 5 मिनट बाद ही ये मेघनीनगर के रिहायशी इलाके में क्रैश हो गई। विमान में 242 यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे,जिनमें गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल थे।क्रैश के बाद आग लगने और धुएं के गुबार ने इलाके में दहशत फैला दी।

12 जून 2025 को दोपहर 1:38 बजे हादसे के बाद से गूगल पर अहमदाबाद जैसे कीवर्ड्स की सर्च में भारी उछाल आया। गूगल पर हादसे के 30 मिनट बाद यानी 2:00 बजे से सर्च वॉल्यूम तेजी से बढ़ा। पिछले 4 घंटों सर्च स्कोर 100/100 पर पहुंच गया,जो गूगल ट्रेंड्स में मैक्सिमम इंटरेस्ट दिखाता है।इसके अलावा रिलेटेड सर्चेज में भारत और विदेशों में लोग अहमदाबाद की लोकेशन सर्च कर रहे हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान में पूर्व सीएम की मौजूदगी की खबर ने सर्चेज बढ़ाईं।

फिर खुलेगी कर्नाटक की सोने वाली खान

बेंगलुरु। कर्नाटक की जिस सोने की खदान कोलार गोल्ड फील्ड्स से भारत सोने की चिड़िया कहलाता था और अंग्रेज भी इसी सोने से मालमाल हुए। अब सरकार 79 साल बाद इसे खोलने की तैयारी कर रही है। अगर यहां बड़ा स्वर्ण भंडार निकला तो देश को लाखों करोड़ का फायदा हो सकता है। इस गोल्ड माइंस से सालाना लगभग 750 किलो सोना निकाला जा सकता है। इससे भारत की सोने की खरीद के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। वर्ष 1880 से 120 सालों में यहां से करीब 900 टन सोना निकाला गया। लेकिन वर्ष 2021 में यहां खनन रोक दिया गया। कोलार गोल्ड फील्ड्स को एक वक्त गोल्ड सिटी, सोने का शहर या मिनी इंग्लैंड भी कहा जाता था। ब्रिटेन के भारत में आधिपत्य के बाद वर्ष 1802 से कोलार की खदानों में 1804 से 1860 के बीच खुदाई प्रारंभ की।

देश तरक्की करता हैं....तब कांग्रेस पार्टी को दुख होता - किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष कर कहा कि उनके पास कांग्रेस के लिए कोई इलाज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी देश आगे बढ़ता है, तब कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेता दुख में डूब जाते है। भाजपा सांसद ने बीते 11 वर्षों में भारत के विकास पर कहा कि भारत का निर्यात 50 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 800 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीते 11 साल में इतना काम हुआ है कि योजनाओं के नाम गिनना मुश्किल है। हम सभी पहलुओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और 800 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। जब मैं नया मंत्री था, तब हम करीब हर चीज का आयात कर रहे थे। हमारा निर्यात 50 अरब डॉलर भी नहीं था। अगर कांग्रेस दुखी होती है जब देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश की जनता खुश है, तब मेरे पास उनके लिए कोई इलाज नहीं है।

पश्चिम बंगाल के महेशतला में दो गुटों में हिंसक झड़प, धारा 163 लागू

तोड़फोड़ के बाद इलाके में सुरक्षा बल तैनात, 40 लोग गिरफ्तार

कोलकाता,। कोलकाता के मुर्शिदाबाद में बीते दिनों हुई हिंसा के बाद पश्चिम बंगाल में एक बार फिर तनाव पैदा हो गया है। यहां दक्षिण 24 परगना के महेशतला में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई। कथित तौर पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ लोगों ने एक मंदिर में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की। हिंसा के बाद अब इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। वहीं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 163 लागू कर दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के मुताबिक अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है। पुलिस ने कहा कि छापेमारी की जा रही है और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भीड़ ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। वहीं लोगों ने पुलिस पर पथराव भी किया। रवींद्रनगर पुलिस स्टेशन के बाहर अधिकारियों के साथ लोगों की झड़प हुई। पथराव के दौरान एक महिला कांस्टेबल समेत कई पुलिस कर्मियों के घायल होने की खबर है। रिपोर्ट में एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि छतों से ईंटें फेंकी गईं, लोगों ने सड़कों पर टायरों में आग लगा दी और उपद्रवियों ने पुलिस स्टेशन के सामने एक बाइक को आग लगा दी। कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। एक पुलिसकर्मी बुरी तरह घायल है। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इलाके में रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की गई है। इस बीच बीजेपी ने हालिया घटना को लेकर ममता बनर्जी को घेरा है।

बीजेपी के सुवेंदु अधिकारी ने राज्य सरकार पर हिंसा को बढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रवींद्रनगर में एक समुदाय के साथ घंटों तक हिंसा हुई। पुलिस चुपचाप देखती रही। उन्होंने कहा है कि वह इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप और केंद्रीय बलों की मांग करेंगे।

लोकसभा की सीटें बढक़र 848 होंगी... उत्तरप्रदेश में 143 सांसद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 2029 के आम चुनावों से पहले लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का परिसीमन करने जा रही है। नए परिसीमन के आधार पर देश में लोकसभा की कुल सीटें 848 तक बढ़ सकती हैं, जिनमें अकेले उत्तरप्रदेश की 143 सीटें होंगी, जो वर्तमान में 80 है। वहीं तमिलनाडु की सीटें 39 से 49 और केरल की 20 पर स्थिर रहेंगी, जिससे दक्षिण भारत का प्रतिशत प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

यह परिसीमन 2026 के बाद दो चरणों में होने वाली जनगणना के बाद होगा। यह जनगणना 1 मार्च 2027 से पहले पूरी की जाएगी। पहली बार इसमें शामिल जातिगत आंकड़े परिसीमन की आधारशिला बनेंगे। परिसीमन आयोग के लिए सबसे बड़ी चुनौती दक्षिणी राज्यों की उस मांग को संतुलित करना होगा, जिसमें कहा गया है कि केवल जनसंख्या के आधार पर संसदीय सीटों का निर्धारण उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने 1970-80 के दशक में जनसंख्या नियंत्रण को प्राथमिकता दी थी। केंद्र सरकार ने इन राज्यों को आश्वासन दिया है कि उनकी चिंताओं को ध्यान में रखा जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने फरवरी में कोयंबटूर में कहा था कि परिसीमन के चलते दक्षिण भारत की कोई भी सीट नहीं छीनी जाएगी।

महिला आरक्षण की योजना पर भी काम

सितंबर 2023 में संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था, जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 सीटों के आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन यह आरक्षण परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकता है, क्योंकि संविधान में इसी तरह की व्यवस्था की गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि हम 2029 तक महिला आरक्षण लागू करने का इरादा रखते हैं। जनगणना जल्द शुरू होगी और हम इसे तीन वर्षों में पूरा करने को लेकर आश्वस्त हैं। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी।

साईं मंदिर में फूल, माला, प्रसाद पर प्रतिबंध हटा, भक्तों के लिए नए नियम लागू, प्रवेश द्वार पर बिल रसीद जरूरी

शिर्डी। भारत-पाकिस्तान युद्ध के चलते भक्तों पर शिर्डी के साईं मंदिर में फूल, माला, प्रसाद ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अब यह प्रतिबंध आज से हटाने की घोषणा साईं संस्थान ने की है जिससे साईं भक्तों में खुशी का माहौल है। मालूम हो कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात के मद्देनजर देश के महत्वपूर्ण मंदिरों में हाई अलर्ट कर दिया गया था। एहतियात के तौर पर भक्तों पर साईं बाबा मंदिर में फूल, माला, प्रसाद ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यहां आने वाले हर भक्त की गहन जांच की जा रही थी और मंदिर के प्रवेश द्वार पर ही फूल, माला, प्रसाद जमा कर लिए जाते थे। अब युद्ध जैसे हालात सुलझने यानी स्थिति सामान्य होने के बाद आज से यह प्रतिबंध हट गया है और साईं भक्तों में खुशी का माहौल है।

पिछले 3 माह से नही मिला मानदेय, घर कैसे चलाए?

लंबित मानदेय का एकमुश्त 03 दिनों में किया जाए भुगतान, सहायक विकासखंड प्रबंधकों ने कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन, 03 दिनों में मांग पूरी ना होने पर दी कलमबंद हड़ताल की चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में कार्य करने वाले सहायक विकासखंड प्रबंधकों को, पिछले 3 माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। तो वही विगत 06 माह से क्षेत्र भ्रमण का भत्ता भी नहीं दिया गया है ।जिसके चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार मानदेय व भत्ता दिए जाने की गुहार लगाने के बावजूद भी अब तक मानदेय, व भत्ते की राशि ना मिलने पर जिले के समस्त सहायक विकास खंड प्रबंधक काफी नाराज है।जिन्होंने अब इसके विरोध में सामुहिक तौर पर कलम बंद हड़ताल किए जाने की योजना बनाई है। जिसकी जानकारी जिले के समस्त विकासखण्डों से आए सहायक विकासखंड प्रबंधकों द्वारा गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन के माध्यम से दी गई।जिसमें उन्होंने 3 माह के बकाया मानदेय व 06 माह से बकाया भत्ते का भुगतान एक मुश्त कराए जाने और यह भुगतान आगामी तीन दिनों के भीतर दिए जाने की गुहार लगाई है। जहां उन्होंने 3 दिनों के भीतर मांग पूरी न होने पर संपूर्ण जिले में कलम बंद हड़ताल किए जाने की भी चेतावनी दी है।

40 सहायक विकासखंड प्रबंधकों को 06 माह से नही मिला भत्ता

उक्त मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में सौंपे गए ज्ञापन में, सहायक विकासखंड प्रबंधकों ने इस बात का उल्लेख किया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 से आज दिनांक तक 40 सहायक विकासखंड प्रबंधकों को मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। जिससे उन्हें आर्थिक व परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा उन्हें विगत 06 माह से क्षेत्र भ्रमण भत्ता भी नहीं दिया गया है। कार्यालयीन व्यय हेतु विकासखंडों में प्रदाय की जाने वाली राशि के अभाव में स्टेशनरी एवं अन्य मदों में ब्लॉक द्वारा सबंधितों को भुगतान नहीं किया जा सकता है। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा वीसी के माध्यम से अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जाता है और धमकी दी जाती है। जिससे सभी कर्मचारी मानसिक रूप से प्रताड़ित है।

3 दिन में नहीं हुआ भुगतान तो करेंगे काम बंद हड़ताल

ज्ञापन को लेकर की गई अनौपचारिक चर्चा के दौरान आवेदकों ने बताया कि हम सभी 10 विकासखंड के प्रभारी विकासखंड प्रबंधक के पद की जगह हमारे मूल पद सहायक विकासखंड प्रबंधक के कार्य का निवर्हन करना चाहते है।मानदेय व भत्ता नहीं मिलने से हमें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है घर परिवार चलाने में दिक्कतें आ रही हैं। वहीं अन्य कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कलेक्टर से गुहार लगाई है कि तीन दिवस के अंदर हमारी मांगों का निराकरण करें, नहीं तो समस्त स्टॉफ कलमबंद हड़ताल करने बाध्य होंगे। इस दौरान प्रभारी विकासखंड प्रबंधक प्रतिमा सोनी, राजाराम परते, प्रशांत कुमार कौल, माया फुलोके, सुनील कुमार सिंह, डिलेश्वरी मेरावी, सुशील मिश्रा, तिलकराज सिंह, शैलेन्द्र कुमार कायस्थी, हेमंत पटले, नंदलाल अहिरवार, अकलसिंह कुलेश, विनोद कुमार खांडेकर, योगेन्द्र सहित अन्य मौजूद रहे।

एक 7 वर्षीय मासूम बालिका सहित दो लोगों की सर्प दंश से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में एक 7 वर्षीय मासूम बालिका सहित दो लोगों की सर्प दंश से मौत हो गई। मृतिका निधि पिता महासिंह धुर्वे 7 वर्ष ग्राम बाकीगुड्डा और मीणा पति मनोहर परते 21 वर्ष ग्राम भण्डारपुर दोनों थाना मलाजखंड निवासी है। 10 जून की रात्रि यह घटना उस समय हुई जब दोनों अपने घर में नीचे सो रहे थे। मलाजखंड पुलिस ने दोनों का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मीना परते अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती थी जिसके परिवार में पति और दो बच्चे हैं बताया गया है कि 10 जून की रात्रि मीना अपने परिवार के साथ खाना खाने के बाद अपने घर में नीचे परिवार के साथ सो रही थी तभी रात्रि 10:00 बजे करीब मीना के कान में काट दिया। मीणा ने सांप काटने के संबंध में अपने पति को बताई मीणा को तुरंत ही बिरसा के अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया था हालत गंभीर होने के कारण मीना को बिरसा के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था 108 एंबुलेंस से मीणा को बिरसा के अस्पताल से जब बालाघाट जिला अस्पताल लाया जा रहा था तभी उसके रास्ते में मौत हो गई। ग्राम बाक़ीगुड्डा निवासी महासिंह धुर्वे मजदूरी करते हैं जिसके परिवार में पत्नी रजवंती धुर्वे और पांच बच्चे हैं जिनमे एक लड़का और चार लड़की है। निधि 7वर्ष महासिंह धुर्वे की मझली बेटी थी। गांव में ही महासिंह के पिता संपत सिंह धुर्वे और भाई राजा धुर्वे रहते हैं। 10 जून की रात्रि निधि अपने मां रजवंती धुर्वे और बहन भाइयों के साथ खाना खाकर घर के अंदर नीचे बिस्तर बिछाकर सो गए थे। रात्रि 3:00 रजवंती धुर्वे की नींद खुली उसने लाइट जला कर देखी तो निधि धुर्वे के ऊपर से सांप जा रहा था। रजवंती के चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग घर आया और सांप को मारे। इसके बाद निधि को देखें तो उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट संपत्तसिह धुर्वे ने मलाजखंड पुलिस थाना में की थी। 11 जून को मलाजखंड पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक रतन सोनवाने और प्रधान आरक्षक विजय कुसरे ने मृतिका मीना कुसरे कार शॉप पंचनामा कार्यवाही पश्चात बिरसा की शासकीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए। धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

निकाय बारिश से पहले और बाद में भी नगर में जल भराव,जर्जर भवन व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की चिंता करें

ग्रामीण सर्वे में जमीनी स्तर पर स्वच्छता की प्रगति का होगा आंकलन, कलेक्टर श्री मीना ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 की तैयारियों की समीक्षा की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण फेज दो के अंतर्गत चिन्हित मात्रात्मक और गुणात्मक मानकों के आधार पर सभी प्रदेशों एवं जिलों की राष्ट्रीय रैंकिंग प्रदान की जाएगी। इसमें पेयजल व स्वच्छता के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 होगा। स्वच्छता सर्वेक्षण के सम्बंध में गुरुवार को कलेक्टर मृणाल मीना ने ग्रामीण व शहरी दोनों निकायों की संयुक्त बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री मीना ने ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे की तैयारियों के सम्बंध में निर्देश दिए है कि जो भी प्लांट के प्रस्ताव शेष है, जल्द ही तैयारी करें। वहीं बड़ी पंचायतों में सेग्रिगेशन व कचरा संग्रहण को नियमित रखें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में सफाई सम्भव नही हो पाती है, वहां अभियान के तौर पर जुट जाएं। ग्रामो में सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई पर भी फोकस किया जाए। उन्होंने नगरीय निकायों को निर्देश दिए है कि अगस्त तक विभाग द्वारा निर्धारित कार्यो पर फोकस होकर कैलेंडर अनुसार कार्य करें। खास तौर पर नगर के उन क्षेत्रों को चिन्हित कर कार्य करें, जहां जल भराव होता है और यातायात बाधित भी होता है, जर्जर भवनों को लेकर तैयारी कर लेंवे। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित वाले क्षेत्रों के सम्बंध में तैयारी कर ले।

परिवारों की संख्या के आधार पर सार्वजनिक स्थलों, अपशिष्ट प्रबंधन इकाईयों, गोबरधन, मल-जल प्रबंधन पर होगा फोकस

राज्य स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण इकाई द्वारा सर्वेक्षण सभी 52 जिलों में होगा। सभी ग्रामो का जनसंख्या के आधार पर पर न्यूनतम 20 गांवो का चयन होगा। गांव के 14 परिवारों में 3-3 एससी व एसटी, 8 अन्य परिवार के अलावा 2 ऐसे परिवार जो आईएमआईएस में पंजीकृत नही किये गए उनका भी चयन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चयनित गांवो में न्यूनतम 5 सार्वजनिक स्थलों, निर्मित प्लास्टिक अपशिस्ट प्रबंधन इकाईयों, गोबरधन संयंत्र, मल-जल प्रबंधन संयंत्र एवं स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग स्थल शामिल होंगे। जिलों की रैंकिंग का निर्धारण 1000 अंकों में से प्राप्त अंकों के आधार पर होगी। सिटीजन फीडबैक के 100,सर्विस लेवल प्रगति 240,प्रत्यक्ष अवलोकन के 540 और संयंत्रों का निरीक्षण 120 अंक निर्धारित किये गए है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, प्रभारी डूडा राहुल नायक, सीएमओ बीडी कतरोलिया व अन्य निकायों के सीएमओ तथा सीईओ गूगल मीट से जुड़े।

टर्फ मैदान में हॉकी ट्रायल प्रतियोगिता संपन्न

बालाघाट- सिवनी के 60 खिलाड़ियों ने टर्फ में दिखाया कलाई का जादू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मध्य प्रदेश शासन संचनालय खेल एवं कल्याण विभाग के निर्देशानुसार हॉकी ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन नगर के शहीद भगत सिंह स्टो टर्फ मैदान में किया गया।जिसमें बालाघाट, सिवनी के लगभग 60 खिलाड़ी शामिल हुए।यह हॉकी ट्रायल प्रतियोगिता12 जून गुरुवार को दोपहर 3 बजे से आयोजित की गई।बताया गया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से दोनों ही जिले के खिलाडियों की खेल प्रतिभा देखी गई।जहां खिलाडियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया गया है। जिसका रिजल्ट जल्द ही घोषित किया जाएगा। बताया जा रहा है इस ट्रायल प्रतियोगिता में जिन खिलाडियों का चयन होगा। उन खिलाडियों को एकेडमी में सिलेक्ट किया जाएगा और उन्हें नेशनल स्तर में आयोजित होने वाले हॉकी खेल की ट्रेनिंग दी जाएगी। गुरुवार को टर्फ मैदान में आयोजित इस ट्रायल प्रतियोगिता के लिए भोपाल से पुरुष अकैडमी पूर्व ओलंपियन एवं एशियान मेडलिस्ट य प्रशिक्षक समीर दाद सहायक प्रशिक्षक लोकेंद्र शर्मा एवं आरिफ खान एस,एन, सी कोच तथा बालाघाट खेल एवं कल्याण अधिकारी कृष्ण कुमार चौरसिया नेहरू स्पोर्टिंग क्लब मुख्यध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी सचिव विजय वर्मा बालाघाट हॉकी प्रशिक्षिका सुनीता सिद्दीकी सीनियर खिलाड़ी गोपाल धुर्वे राजकुमार शांडिल कराटे प्रशिक्षक सचिन कृष्णान कुट्टी युवा समन्वयक बालाघाट लव पटेल नगपुरे, कटंगी युवा समन्वयक संतोष पारधी, रीना रत्नेरे, दिव्या मोहारे सीनियर खिलाड़ी रवि पाचे विशाल सहारे जावेद मिर्जा शंकर लाल रंहागडाले दीपक अवचट उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

उत्कर्ष कम्पयुटर लालबर्रा में

- कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
- स्टेनो टीचर्स - 02 पद
- टैली टीचर्स - 02 पद
- ऑफिस कार्य - 02 पद

इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते है

वेतन-योग्यतानुसार

पता-उत्कर्ष कम्प्युटर

पंवार समाज भवन के पास, सिवनी रोड बालाघाट

7691909255, 9424663575

बिना सूचना के करीब 1 साल से कर्तव्य पद से नदारद पटवारी

कई बार नोटिस जारी करने के बाद एसडीएम ने जारी की सार्वजनिक सूचना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ने बिरसा तहसील के पटवारी कुलदीप मेरावी को कार्य पर उपस्थित न होने पर सार्वजनिक सुचना जारी की है। उन्होंने बताया कि कुलदीप मेरावी पटवारी तहसील बिरसा 13 सितंबर 2024 से बिना पूर्व सूचना अथवा स्वीकृत अवकाश के अनुपस्थित हैं। उन्हें पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन उन्होंने न तो जवाब प्रस्तुत किया और न ही कार्य पर उपस्थित हुए। अब उन्हें सार्वजनिक सूचना के माध्यम से निर्देशित किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैहर में उपस्थिति देना सुनिश्चित करें। यदि वे निर्धारित समयावधि में कार्य पर उपस्थित नहीं होते है तो नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी और उन्हें सेवा से पृथक किए जाने की कार्यवाही की जा सकती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत चिचगाँव

जनपद पंचायत बालाघाट, जिला बालाघाट

क्रमांक /क्यू /2025-26 दिनांक 12.06.2025

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत चिचगाव में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा, 15 वां वित्त, 5वां वित्त, परफार्मेस ग्रांट फंड, राज्य वित्त, गौण खनीज, विधायक-सासंद निधि,सर्व शिक्षा अभियान व समस्त मदो से विभिन्न निर्माण कार्य जैसे- सी.सी.रोड,आर.सी.सी.नाली,एलईडी लाईट,बाउड्री वाल निर्माण,सभामंच,सामुदायिक भवन व अन्य भवनो का निर्माण,नाडेप पाईप पुलिया,गट्टू (पेपर ब्लॉक) आदि कार्यो एवं कम्प्यूटर संधारण,स्टेशनरी,प्रिन्टर आदि के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे-ईट,सीमेंट,लोहा,मिक्कर मशीन,रेत परिवहन ,20 एम.एम.,40 एम.एम. गिट्टी परिवहन,वाइब्रेटर मशीन,सेंट्रीग व टाईल्स तथा नल जल पाईप मोटर इत्यादी अन्य सामग्री क्रय कि जानी है जिस हेतु निविदा आमंत्रित की गई है।

अतः इच्छुक निविदाकार सामग्री विक्रेता सप्लायर आदि मुहरबंद लिफाफे मे अपनी निविदा दिनांक 16-06-2025 तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है।

श्रीमती ख्याति रनगिरे-सरपंच, प्रकाश पांचे-उपसरपंच,
लिखेन्द्र पारधी- सचिव
रोजगार सहायक एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत चिचगांव
जिला बालाघाट (म.प्र.)।

OFFICE OF THE SECTERATY KRISHI UPAJ MANDI SAMITI PARASWADA

DIST. BALAGHAT

Notice Inviting Tender

N.I.T.No./Nirman/2025-26/76 PARASWADA, dated: 12/06/2025

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for **MAINTAINANCE AND COLOUR WASHING WORK IN OLD STRUCTURES, AT MANDI YARD PARASWADA DISTT-BALAGHAT Tender Number:- 2025_MPSAM_430256_1(PAC amount Rs. 11 Lakhs).** The following works Tender to be received online up to **3:30 PM On 04.07.2025** Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the https://mptenders.gov.in as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**.

Note: - Any corrigendum in this NIT, if published, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

Secretary
Krishilpaj mandi Samiti PARASWADA
Distt. BALAGHAT

OFFICE OF THE SECTERATY KRISHI UPAJ MANDI SAMITI LALBARRA

DIST. BALAGHAT

Notice Inviting Tender

N.I.T.No./Nirman/2025-26/231 PARASWADA, dated: 12/06/2025

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for **CONTRUCTION OF CANTEEN BUILDING, AT MANDI YARD LALBARRA DISTT-BALAGHAT Tender Number:- 2025_MPSAM_430266_1(PAC amount Rs. 8.30 Lakhs).** The following works Tender to be received online up to **3:30 PM On 04.07.2025** Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the https://mptenders.gov.in as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**.

Note: - Any corrigendum in this NIT, if published, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

Secretary
Krishilpaj mandi Samiti LALBARRA
Distt. BALAGHAT

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

आज सात प्रस्ताव को लेकर नगर पालिका करेगी परिषद की बैठक का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। नगर पालिका की परिषद की बैठक 13 जून को प्रात: 11ः00 बजे से आयोजित की गई है । इस परिषद की बैठक में लगभग सात प्रस्ताव पर पक्ष, विपक्ष के पार्षद परिषद की इस बैठक में चर्चा कर प्रस्तावों को पास करेंगे । जिसमें एक प्रस्ताव ऐसा भी है जिसको लेकर परिषद की बैठक का एजेंडा मिलने के बाद सभी पक्ष और विपक्ष के पार्षद उस प्रस्ताव पर अभी से ही सवाल उठाने लगे हैं । यह प्रस्ताव नगर में जल आपूर्ति के लिए लाया गया है, जिसमें स्वयं नगर पालिका भी यह मान रही है कि बहुत से वार्ड में पानी फोर्स के साथ पानी नहीं पहुंच रहा है, तो नगर पालिका अब ट्यूबेल के माध्यम से पानी की सप्लाई का प्रेशर बढ़ाए जाने की कार्य योजना बना रही है । जिसका प्रस्ताव परिषद की बैठक में लाया जा रहा है । जबकि पक्ष के पार्षदों का कहना है कि करोड़ों की जलावर्धन योजना अभी नगर पालिका को हस्तांतरित भी नहीं हुई है और इस प्रकार के ट्यूबवेल से पानी का फोर्स बढ़ाना कहीं ना कहीं गलत है और यह सफल नहीं हो पाएगा।

आपको बता दे की 13 जून को नगर पालिका की परिषद की बैठक आहूत की जाना है । जिसके लिए 12 जून को ही सभी तैयारियां

नगर पालिका द्वारा कर ली गई है। यह बैठक नगर पालिका के सभा हाल में होनी है । इस बार परिषद की बैठक सात प्रस्ताव को लेकर आयोजित की गई है एवं सभी प्रस्ताव शहर विकास को लेकर नगर पालिका द्वारा लाये गए हैं किंतु एक प्रस्ताव क्रमांक 5 में नगर पालिका द्वारा जल आपूर्ति को लेकर प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें नगर पालिका द्वारा करोड़ों की जल आवर्धन योजना से कुछ वार्डों में पानी का प्रेशर सहित जलापूर्ति नहीं होने के कारण अब नगर पालिका कुछ वार्डों में ट्यूबवेल खुदवाने का विचार कर रही है । बताया जा रहा है कि इस ट्यूबवेल के माध्यम से नगर पालिका करोडो की जल आवर्धन योजना के आने वाले पानी का प्रेशर को बढ़ाएगी किंतु , जब से पक्ष, विपक्ष के पार्षदों को प्रस्ताव मिला है तब से वह इस प्रस्ताव पर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं कुछ पार्षदों का कहना है कि जब करोडो की जलावर्धन योजना से शहर को पानी नगर पालिका नहीं दे पा रही है तो सिर्फ ट्यूबवेल के माध्यम से कैसे वार्ड वासियों को पानी दिया जा सकता है। जबकि ट्यूबवेल के माध्यम से आने वाले पानी को नगर पालिका स्वच्छ नहीं कर पाएगी और सीधे लोगों के घरों में पानी जाएगा , तो वहीं कुछ पार्षदों का यह भी कहना है कि अभी नगर पालिका को नई जलावर्धन योजना हस्तांतरित भी नहीं हुई है और इस प्रकार के काम से सीधे ठेकेदार को लाभ पहुंचेगा , जो की सही नहीं है, अब देखना होगा कि परिषद की बैठक में यह प्रस्ताव पास होता है या फिर पार्षद प्रस्ताव का विरोध करते हैं।

आज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के पदाधिकारी करेंगे अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पीजी कॉलेज का घेराव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के पदाधिकारी कॉलेज का घेराव और धरना प्रदर्शन कर रहे हैं बताया जा रहा है कि जब से बालाघाट जिले को छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी से जोड़ा गया है , तब से कालेज की स्थिति और खराब होते जा रही है एवं कई बच्चों का रिजल्ट बिगड़ने के साथ-साथ बच्चों का भविष्य भी खराब होता जा रहा है इसलिए भारतीय छात्र संगठन द्वारा 13 जून को कॉलेज का घेराव के साथ प्रदर्शन किया जा रहा है । भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कार्यकर्ता शिवम शर्मा ने बताया की जब से जबलपुर रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी से बालाघाट के कॉलेजों को हटाकर छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी से जोड़ा गया है । तब से बालाघाट की स्थिति शिक्षा में दयनीय बनती जा रही हैं । जिसके चलते बालाघाट जिले के छात्रों का भविष्य खराब हो रहा हैं छात्रों के साथ साथ यहां के प्रोफेसर भी इस यूनिवर्सिटी को लेकर चिंतित नजर आते हैं । जबकि प्रदेश को सबसे ज्यादा शिक्षक बालाघाट ने ही दिया है, इस जिले में स्थित पी. एम. एक्सीलेंस, पी.जी. कॉलेज बालाघाट एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यदि बालाघाट जिले में विश्वविद्यालय बनाया जाता है तो बालाघाट जिले सहित सिवनी एवं मंडला जिले के छात्रों को भी बालाघाट में यूनिवर्सिटी बनने से शिक्षा में स्थान मे लाभ मिलेगा। जिसके लिये छात्र संगठन द्वारा कॉलेज घेराव एवं धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगे रख रहा है।

ये हैं छात्रों की मांगे

जिसमे छात्रों की मांग है कि जिले में एक विश्वविद्यालय हो, जिससे युवाओं को उच्च शिक्षा मिले । पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कड़े कानून की आवश्यकता है ताकि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो सके। हर छात्र को समान अवसर मिलना चाहिए, चाहे उसकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। सबको शिक्षा और सबको प्रवेश सुनिश्चित किया जाना चाहिए। छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति पर लोकसेवा गारंटी होनी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। छात्रों की आवाज को सुनने और उनके हितों की रक्षा के लिए छात्रसंघ चुनाव आवश्यक हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया की मान्यता शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी कालेज को प्राप्त होना चाहिये , परंतु पोर्टल में जीएसटी पीजी कॉलेज का नाम नहीं दिख रहा हैं , उसके स्थान पर विधि महाविद्यालय दिखाई दे रहा है, जिससे जल्द से जल्द सुधार किया जाना चाहिये और महाविद्यालय शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी कालेज में 120 सीटों पर छात्रों का प्रवेश लिया जाए।

पत्नी की हत्या करने की आरोप में पति को आजीवन कारावास

अपर सत्र न्यायालय बैहर की अदालत का फैसला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत ने आरोपी रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव पिता महिपाल यादव 45 वर्ष को हत्या के आरोप में दोषी पाते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई ।ग्राम गढ़ी निवासी इस आरोपी के विरुद्ध अपनी पत्नी सगनी बाई यादव की हत्या करने का आरोप था। विद्वान अदालत ने इस आरोपी को आजीवन कारावास के अलावा एक हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं । इस मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक अशोक कुमार वाट द्वारा की गई थी। अभियोजन के अनुसार 20 अगस्त 2018 की शाम 4ः00 बजे सजनी बाई अपने घर में बैठी थी । तभी रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव उसके पास आया और बोला कि बर्तन क्यों नहीं मांजे, ऐसा कहते हुए रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव ने सगनी बाई को लकड़ी के डंडे और खटिया के खुरा से मारपीट मारपीट करने लगा। बीच बचाव उसकी बेटी जानकीबाई ने की थी। रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव द्वारा की गई मारपीट में सगनी बाई की पीट, कमर,पेट के अलावा अंदरूनी चोटें आई थी। सगनी बाई घायल हो चुकी थी। 25 अगस्त 2018 को सगनी बाई की मौत हो गई। जिसकी रिपोर्ट उसकी मां जानकी बाई ने गढ़ी पुलिस थाना में की थी। इस मामले में सगनी बाई की हत्या करने के आरोप में उसके पति रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव के विरुद्ध धारा 302 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था। रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव पत्नी सगनी बाई की हत्या करने के बाद फरार हो गया था। जिस गढ़ी पुलिस ने डेढ़ साल बाद 3 जनवरी 2020 को गिरफ्तार किया था। तभी से वह उपजेल बैहर में था। गढ़ी पुलिस ने इस मामले का संपूर्ण अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र बैहर के न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी की अदालत में पेश किए थे। 29 जून 2020 से यह मामला विद्वान सत्र न्यायालय को उपार्पित किया गया। जहा से इस मामले को अपर सत्र न्यायालय बैहर को सुनवाई हेतु अंतरित किया गया था। हाल ही में यह मामला विद्वान अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत में चल रहा था। विद्वान अदालत मे चलते इस मामले में अभियोजन पक्ष आरोपी रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव के विरुद्ध पत्नी सगनी बाई की हत्या करने का आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा । जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए अपने विवेचन निष्कर्ष और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आरोपी रूपलाल उर्फ गुड्डा यादव को पत्नी सगनी बाई की हत्या करने के आरोप में दोषी पाते हुए उसे धारा 302 भादवि के तहत अपराध में आजीवन कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये।

भटेरा वार्ड क्रमांक 2 में अज्ञात चोरों ने 6 से 7 मकान में किया चोरी का प्रयास

पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में हुआ कैद , वार्डवासियों ने वार्ड में पुलिस गश्ती बढ़ाने की करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । इन दिनों शहर में नकाबपोश चोरों की संख्या धीरे-धीरे पढ़ते ही जा रही है । यह रात्रि के समय बंद मकान, दुकान के ताले तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं । कई जगह तो यह चोर सीसीटीवी कैमरे में भी कैद होते जा रहे हैं। ऐसा ही ताजा मामला शहर के भटेरा वार्ड नंबर 2 फॉरेस्ट नाका गली से सामने आया है । यहां चोरों का घर में घुसकर ताला तोड़ते हुए चोरी करने के प्रयास का पूरा वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है, जो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है । वार्डवासियों द्वारा पुलिस से मांग की जा रही है कि जिस प्रकार अज्ञात चोर रात्रि के समय सक्रिय होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं तो वार्डों में पुलिस गस्त बढ़ाई जाए । आपको बता दे कि बीते कुछ दिनों से चोरों द्वारा शहर के मकान, दुकान एवं मंदिरों को अपना निशाना बनाया जा रहा है । जबकि देखा जाए तो 1 से 2 दिन में अज्ञात चोर शहर के अलग-अलग वार्डों में चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं । कुछ चोरीयों का पुलिस खुलासा भी कर रही है। किंतु एक चोरी का खुलासा होता है तो वही अज्ञात चोरों द्वारा दो नई चोरी की घटनाओं को अंजाम दे दिया जाता है। भटेरा वार्ड क्रमांक 2 में अज्ञात चोर रात्रि के समय सूने मकान को अपना निशाना बनाते हुए मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं, वहीं

चोरी करने के प्रयास के कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ रहे हैं। जिसमें अज्ञात चोरों द्वारा भटेरा वार्ड क्रमांक 2 के पंचशील कंप्यूटर वाली गली में कुछ घरों में चोरी करने का प्रयास किया गया है, जहां अज्ञात चोरों को कोई सामान और कैश नहीं मिला , जिस पर चोरो द्वारा घर के अलग-अलग तालों को तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया है, तो वहीं कुछ घरों में वार्डवासी की आहट के कारण अज्ञात चोर भाग खड़े हुए हैं, पूरी घटनाओं का सीसीटीवी कैमरे में वीडियो भी कैद हो चुका है , जिसमें अज्ञात चोर वीडियो में चोरी का प्रयास करते साफ नजर आ रहे हैं, वहीं वार्ड वासियों द्वारा पुलिस से मांग की जा रही है कि उनके क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और साथ ही जो सीसीटीवी में अज्ञात चोरों की तस्वीर दिख रही है उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

आहट पाकर भाग खड़े हुए चोर - संदीप पसीने

वार्ड क्रमांक 2 के निवासी संदीप पसीने बताते हैं कि 11 जून की रात्रि लगभग 1:00 बजे अज्ञात चोर उनके घर में घुस गए थे, किंतु जैसे ही उनके घर के परिजन जग रहे थे, परिजनों की आहट पाकर अज्ञात चोर भाग गए । उसी रात अज्ञात चोरों द्वारा उनके मोहल्ले में कुछ घरों में चोरी का प्रयास भी किया गया है, जहां घर पर कुछ नहीं मिलने पर अज्ञात चोरों की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है, जिस पर वह पुलिस से गश्त बढाई जाने के साथ-साथ वीडियो में दिख रहे युवकों पर कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं ।

6 से 7 घरों का अज्ञात चोरों ने तोडा ताला

वार्ड क्रमांक 2 के वार्डवासियों ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि इन दिनों उनके वार्ड में अज्ञात चोर बहुत अधिक सक्रिय हो गए हैं और वह रात्रि के समय सूने मकान और दुकानों को अपना निशाना बना रहे हैं, इसी प्रकार मंजूलता गली वार्ड नंबर 2 भटेरा चौकी में लगभग चार से पांच मकान और भटेरा शराब भट्टी जाने वाली रोड में कुछ मकान को अपना निशाना बनाते हुए चोरी की घटना का प्रयास किया गया है । जिसका पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है।

जबलपुर के रानीताल में आयोजित जोन कबड्डी प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी रवाना

जिले के लगभग 50 खिलाड़ियों में से 16 खिलाड़ियों का किया गया चयन, खिलाड़ियों में 11 बालक तो 5 बालिकाओं के शमावेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जबलपुर संभाग के रानीताल में 13 जून को राज्य स्तरीय इंटर जोनल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। मध्य प्रदेश एमेच्योर कबड्डी संघ द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने गुरुवार की शाम बालाघाट जिले से 16 कबड्डी खिलाड़ियों का एक दल जबलपुर के लिए रवाना हुआ ।जिसमें बालक वर्ग में 11 तो वही बालिका वर्ग में 5 खिलाड़ियों का शमावेश है ।बताया गया कि ये खिलाड़ी शुक्रवार को जबलपुर के रानीताल में आयोजित इस एक दिवसीय राज्य स्तरीय इंटर जोनल कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने, जहा सम्भाग से आने वाली विभिन्न टीमो के बीच आपसी प्रतियोगिता कराकर, उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। जहा जबलपुर सम्भाग के नाम से एक टीम का गठन कर आगामी समय मे आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को भेजा जाएगा। जिसमे चयन के लिए खिलाड़ियों को बालाघाट से जबलपुर के लिए रवाना किया गया।

लगभग 50 खिलाड़ियों में से 16 का किया गया चयन

बताया गया की खिलाड़ियों के चयन के लिए गुरुवार की दोपहर नगर के मुलना स्टेडियम में चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिसमें जिले भर से करीब 50 बालक बालिका खिलाड़ी शामिल हुए ।जहा जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार की प्रमुख उपस्थिति में खिलाड़ियों को अलग अलग समूहों में बांटकर उनके बीच कबड्डी प्रतियोगिता कराई गई ।जहां जिनके खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 11 बालक व 5 बालिकाओं के चयन कर बालाघाट टीम की घोषणा की गई ।जिन्हें देर शाम जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय इंटर जोनल कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने बालाघाट से रवाना किया गया ।

खिलाड़ियों में इनका शमावेश

गुरुवार के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालाघाट कबड्डी टीम का चयन किया गया ।इसमें बालक वर्ग में अंकित उइके , महेन्द्र उईके, दिशांत अंगूरे, मिलेन्द्र कुमार, अभिशेक माजे, राज मरकाम, अभिषेक मरकाम, मोहित कुमार बाड़े, सिद्धार्थ खण्डाते, गौरव कुम्भरे, और सितु धुर्वे का शमावेश है। तो वही बालिका वर्ग में सन्तोषी धुर्वे, देविका उइके, मिताली भलावी, प्रिंशी पंचतिलक और प्रियंका लिल्हारे का चयन कर जबलपुर प्रतियोगिता के लिए कोच के साथ रवाना किया गया है।

पूर्व बैठक में एक दिवसीय प्रतियोगिता कराने के लिया था निर्णय-यादव

आयोजित प्रतियोगिता को लेकर संभागीय प्रभारी शानू यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त प्रतियोगिता में जबलपुर जिला कॉरपोरेशन, अकैडमी बालाघाट, मंडला ,डिंडोरी ,सिवनी जिला, व सिवनी अकादमी की टीम में भाग लेंगी जिसमें से जबलपुर जोन की दो टीमों का चयन करके आगामी राज्य स्तरीय इंटर जोन कबड्डी प्रतियोगिता में यह टीम जबलपुर की ओर से प्रतिनिधित्व करेगी। इस प्रतियोगिता में 1/1/ 2008, 2009 और 2010 की कबड्डी बालक बालिका खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे ।विगत दिनों संपन्न हुई बैठक में मुख्य रूप से धर्मेंद्र सिंह पप्पू, मनजीत सामल, जबलपुर कॉरपोरेशन, से अमित साहू ,अजय पटेल, जबलपुर जिला से चंदा सोनी, पुष्पा रघुवंशी, जबलपुर अकैडमी से मनीष रजक जॉब, जबलपुर से रघु ठाकुर सिवनी जिला से , रमेश दीक्षित बालाघाट से संगीता सिवनी अकादमी से चेतराम अहिरवार डिंडोरी से उपस्थित थे। सभी ने सर्वसम्मति से उक्त टूर्नामेंट को एक दिन में करने का निर्णय लिया है।

पर्यावरण प्रदूषण पर लगाई जाए रोक

लगातार बढ़ते जा रहे प्रदूषण पर पर्यावरण मंच ने जताई चिंता, कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । बालाघाट सहित संपूर्ण जिले में लगातार बढ़ते जा रहे पर्यावरण प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भारतीय मजदूर संघ से जुड़े पर्यावरण मंच ने, पर्यावरण प्रदूषण पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की है ।जहां उन्होंने अपनी इस मांग के अनुरूप गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपते हुए, पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए

तत्काल उचित उपाय किए जाने की मांग की। भारतीय मजदूर संघ से जुड़े पर्यावरण मंच के पदाधिकारी का मानना है कि बालाघाट जिले में बढ़ते वायु, जल व ध्वनि प्रदूषणअत्याधिक मात्रा में बढ़ गया है ।पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, जल स्त्रोतों का दूषित होना, प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग और जल संरक्षण की अनदेखी से पर्यावरण असंतुलन गहराता जा रहा है। जिस पर अंकुश लगाने की मांग पर्यावरण मंच द्वारा ज्ञापन सौपकर की गई है।

पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है-सुरेंद्र

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान पर्यावरण मंच के जिला संयोजक सुरेन्द्र वढीचार्य ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे। हमारी मांग है वायु प्रदूषण की रोकथाम और शहरों में प्रदूषण स्तर दर्शाने वाले इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड लगाए जाएं। नदियों और नालों को प्रदूषण से बचाया जाए। पेड़ कटाई पर रोक व बड़े स्तर पर वृक्षारोपण हो। सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु सभी भवनों में रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य हो। कचरा प्रबंधन और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ठोस व्यवस्था की जाए। नदियों की सफाई, किनारों पर पौधारोपण और अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाई जाए। क्योंकि वर्तमान समय में लगातार पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है ।जिसपर अंकुश लगाना अति आवश्यक है ।अन्यथा आगामी समय इसके गम्भीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं ।पर्यावरण मंच ने प्रशासन से मांग की इन बिंदुओं पर शीघ्र कार्यवाही की जाए ताकि जिले में प्रदूषण पर नियंत्रण पाकर स्वस्थ

जिले सेन समाज की बैठक कल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिला सेन समाज बालाघाट के महासचिव डॉ. पीताम्बर उरकुड़े द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि 14 जून शनिवार को शहर के गोंदिया रोड स्थित एक होटल में दोपहर 2 से 5 बजे तक आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। जिसमें म.प्र. शासन से कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त केश शिल्पी बोर्ड के अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा द्वारा बालाघाट जिले की विभिन्न नगरपालिकाओं में नियुक्त मंत्री, प्रतिनिधियों में मनोज सेन पारधी बालाघाट, उत्तम कटरे बिरसा-मलाजखंड, राजेन्द्र फुलबांधे वारासिवनी, अंचल कड़वे कटंगी, संतोष श्रीवास लांजी को नियुक्ति/दायित्व पत्र सौंपा जाएंगा । इसके साथ ही समाज द्वारा आगामी दिनों में प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम व समाज के नये अध्यक्ष व कार्यकारिणी के गठन पर भी विचार-विमर्श किया जाना है। जिला सेन समाज कार्यकारिणी द्वारा सेन समाज के समस्त जागरूक बंधुओं से उक्त आयोजन में शामिल होने की अपील की गई है।

बायोफ्यूल का झालीवाड़ा में पलटा टैंकर, बड़ा हादसा टला

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत झालीवाड़ा के बस स्टैंड में बायोफ्यूल इथेनॉल से भरा टैंकर पलट गया। जहां टैंकर के ढक्कन में से इथेनॉल रिसने लगा जहां टैंकर के चालक को ग्रामीणों के द्वारा तत्काल बाहर निकाला गया। मौके पर कोई बड़ी जनहानि ना हो इसके लिए तत्काल सूचना लगते ही टैंकर में गंभीर ज्वलंत पदार्थ होने से पुलिस और राजस्व विभाग मौके पर उपस्थित होकर घटना स्थल पर लगी भीड़ को काबू कर लोगों को मौके से दूर हटाकर बिजली व्यवस्था बंद कर दी गई। तो वहीं ग्राम पंचायत मेहंदीवाडा के चौक से रामपायली हाई स्कूल चौक तक हाईवे मार्ग भी बंद कर दिया गया। वहीं टैंकर में भरे इथेनॉल को कंपनी के टेक्नीशियन के द्वारा नष्ट करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया एवं अंत में देर रात विद्युत व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था बहाल कर दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ११ जून को टैंकर क्रमांक केए ०१ एएन ३९४५ को भरकर नागपुर के लिए रवाना किया गया था जिसकी क्षमता ४० हजार लीटर थी। जो मेहंदीवाड़ा चौक से वारासिवनी नागपुर हाईवे मार्ग पर निकलकर सीधे नागपुर की ओर जा रहा था। तभी वारासिवनी और रामपायली के मध्य स्थित ग्राम पंचायत झालीवाड़ा के बस स्टैंड के पास में अचानक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। जो थोड़ा घसीटता हुआ आगे बड़ा इस दौरान बस स्टैंड में लोग बस की रास्ता देखने के लिए प्रतिक्षालय में बैठे हुए थे जो यह देख घबराकर भागना शुरू कर दिए। वहां आस पड़ोस के लोग भी दूर भागने लगे जहां पर धूल के गुब्बारे के कारण स्पष्ट कुछ नहीं था परंतु थोड़ी देर बाद देखा कि कोई टैंकर पलटा हुआ है जिसके ढक्कन से तरल पदार्थ रिस रहा है। यह देख लोग दौड़कर आए टैंकर के चालक को सामने के टूटे हुए कांच में से बाहर निकाल कर तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। इथेनॉल से भरा टैंकर पलटने की सूचना लगते ही एसडीओपी अभिषेक चौधरी ,एसडीएम राजीव रंजन पांडे ,पुलिस और राजस्व विभाग के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। जिनके द्वारा जनहानि की संभावना को देखते हुए तत्काल बिजली विभाग से पूरे ग्राम की बिजली बंद करवा दी गई । वहीं तत्काल नगर के कॉलेज चौक से मार्ग डाइवर्ट करवा दिया गया। वहीं मेहंदीवाड़ा चौक से वारासिवनी नागपुर हाईवे को रामपायली हाई स्कूल तक सील करवा दिया गया। वहीं जगह जगह पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा इसके बाद तत्काल बायोफ्यूल के अधिकारी कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे जिन्हें स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन के द्वारा चर्चा की गई। जिसमें टैंकर को हटाना संभव नही होने पर पलटे हुए टैंकर के स्थान से लगे हुए खेत में गड्ढा खोदकर मुस्तैदी के साथ टैंकर के एक.एक ढक्कन को खोलकर उसके अंदर भरे इथेनॉल को खेत में बहा दिया गया। इसके बाद मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड के माध्यम से टैंकर और उक्त स्थान पर पानी छोड़कर जेसीबी के माध्यम से गड्ढे को भरने का प्रयास किया गया। तत्पश्चात क्रेन के माध्यम से टैंकर को सीधा किया गया। वहीं मौके पर आवश्यक कार्यवाही को पूर्ण करने के उपरांत विद्युत व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था देर रात में बहाल की गई। यह पूरे कार्य के दौरान पुलिस राजस्व एवं कंपनी के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

वन सुरक्षा समिति लामता के विकास कार्यों को लेकर वनमंडलाधिकारी ने ली बैठक

लामता(पद्मेश न्यूज)। आज दिनाँक को ग्राम पंचायत भवन लामता मे वन सुरक्षा समिति लामता मे विकास कार्य कराने एवं वनो कि सुरक्षा को लेकर उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट के वनमंडलाधिकारी के आदेश पर बैठक आहूत की थी, बैठक के दौरान सर्वप्रथम वनमंडलाधिकारी द्वारा वन सुरक्षा समिति एवं आम जनता को वनो की सुरक्षा को लेकर वन सुरक्षा समिति के सदस्यों को समझाइश दी गई, तत्पश्चात लामता वन सुरक्षा समिति मे लाभाश की 20 प्रतिशत राशि से जो विकास कार्य कराये जाना था उसे स्थगित कर नये विकास कार्य कराने हेतु समस्त समिति सदस्यों एवं ग्रामीण जनो की राय लेकर नये कार्यों के लिए प्रस्ताव पारित कर भेजनें के निर्देश दिये। वन मंडलाधिकारी ने लाभान्स के 20प्रतिशत राशि से कौन कौन से विकास कार्य कराये जा सकते है विस्तार से वन समिति के

सदस्यों एवं आम सभा मे उपस्थित जनो को बताया गया। इस बैठक मे लामता सरपंच हुलासमल कोचर, ज्ञानसिंह सैयाम वन सभापति जनपद बालाघाट, लामता वन समिति अध्यक्ष एवं समिति के सदस्यों के उपस्तिथि मे वनमंडलाधिकारी संध्या श्रीवास्तव उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट, उपवनमंडलाधिकारी प्रशांत साकरे,उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट, प्रशिक्षु खडेलवाल (आई एफ एस) वन परिक्षेत्र अधिकारी लामता, कृष्णकुमार नामदेव, परिक्षेत्र अधिकारी लामता, गोस्वामी जी परिक्षेत्र अधिकारी, नरेन्द्र बंसोड सहायक परिक्षेत्र अधिकारी, विजय श्रीवास्तव, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी, कंचन खडागले सहायक परिक्षेत्र अधिकारी एवं समस्त वन रक्षक तथा ग्रामीण जनो की उपस्तिथि मे बैठक सम्पन्न हुआ।

पीएम जनमन एवं धरती आबा के शत प्रतिशत सेचुरेशन के लिए प्रशासन की सक्रियता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय अभियान (पीएम जनमन) एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 से 30 जून तक जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर आयोजित किया जाना है। जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त प्रेस नोट में बताया गया कि जिले में पीएम जनमन के तहत चिन्हित 260 बैगा बसाहटों / ग्रामों में तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए-जेजीयूए) अंतर्गत चिन्हित 200 ग्राम एवं जिले के द्वारा सर्वे पश्चात चयनित 48 ग्रामों में जनजागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन 15 जून से प्रारंभ किया जा रहा है। जिले में अभियान अंतर्गत ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कराकर प्रशासनिक अमले के द्वारा हितग्राही मूलक योजनाएं यथा आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पी.एम. किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, उज्जवला योजना, राशन कार्ड, जनधन बैंक खातों से लाभांवित किया जायेगा। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अभियान अंतर्गत अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर योजनाओं के हितलाभ को प्राप्त करना निर्धारित करें।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का हुआ समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलाँजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम नवेगांव ख में विकसित कृषि

संकल्प अभियान का गुरुवार को समापन किया गया। समापन के अवसर पर विधायक विवेक विक्की पटेल पहुँचे। जहाँ कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा विधायक पटेल का स्वागत किया गया। जिसके बाद विधायक विवेक पटेल के द्वारा माँ सरस्वती की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम का उदेश्य शासन के द्वारा कृषि के संबंधित नई तकनीको को किसानो तक पहुंचना था। वहीं किसानो को कृषि के क्षेत्र में आगे लाना और कृषि पर जोर देने की बात अधिकारियों के द्वारा कहीं गई। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा की पांच पांच बार अवार्ड लेने वाला हमारा प्रदेश आज कर्ज में हैँ। किसानो की आय को दुगुनी करने की बाते करने वाली सरकार ने हमारे प्रदेश को कर्ज में डुबो दिया है। इस समय किसानो को खेती के लिए बीज नही मिल रहा है। भाजपा के शासन काल में नकली बीज जगह.जगह बिक रहा है, जिससे किसानो की फसल समय पर नही हो रही हैँ। समय पर खाद नही मिलने के कारण किसान दुकानों से दुगुने रेट में खाद खरीदता है मगर सरकार को किसानो की चिंता नही है। इस दौरान कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती विनीता रंगारे, कृषि विस्तार अधिकारी आरपी मर्सकोले, धंनजय कठल, कृषि यंत्रिकी अधिकारी राजेंद्र कुलस्ते, जिला पंचायत सदस्य मधु शुक्ला, सरपंच सागरता कटरे,संघर्ष लांजेवार, राजा अली,राजकुमार चौधरी, नरेंद्र राहंगडाले,मनकलाल कटरे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

पुलिस ने नगर भ्रमण कर वाहनों पर की कार्यवाही

६ गाड़ियों पर की ३५०० रूपये की चालानी कार्यवाही

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस के द्वारा नगर में वाहनों की चेकिंग पॉइंट लगाने की जगह नगर भ्रमण कर प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें थाना स्टाफ के द्वारा थाना प्रभारी के नेतृत्व में शाम होते ही नगर के विभिन्न चौक चौराहा हो और गलियों का भ्रमण किया जाता है। इस दौरान जगह.जगह वाहनों की चेकिंग कर बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है। जिन्हे पुलिस थाने में खड़ा किया जा रहा है वहीं अन्य वाहन चालकों को समझाइस दी जा रही हैं की वह यातायात नियमों का पालन करें। जिससे वाहन चालकों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। जो पुलिस को आता देख अपने वाहनों को इधर उधर छिपाना प्रारंभ कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरीय क्षेत्र में लोगों के द्वारा बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल मोपेड चलाई जाती है। हेलमेट भी नहीं लगाया जाता है तो वहीं अनेक प्रकार से यातायात नियमों का उल्लंघन कर वाहनों का संचालन किया जाता है। तो वहीं तेज गति से गाड़ियां भी दौड़ाई जाती है जिस पर बीते करीब दो दिनों से पुलिस के द्वारा नगर भ्रमण कर चालानी कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ शाम को नगर का भ्रमण करते है। जिनके द्वारा विभिन्न चौक चौराहा जैसे जय स्तंभ चौक, नेहरू चौक, सब्जी बाजार, सराफा बाजार ,गांधी चौक, कटंगी चौक ,दीनदयाल चौक का भ्रमण कर कार्यवाही की जा रही हैं। जहां मौके पर बिना नंबर प्लेट के वाहनों को रोककर पूछताछ करने के उपरांत थाने में खड़ा करवा रहे है। वाहनों के दस्तावेज देखकर चालानी कार्यवाही की जाती है तो वहीं मौके पर अन्य वाहनों के चालकों को समझाइस दी जा रही है। इस दौरान पुलिस के द्वारा बिना नंबर प्लेट की कुल ६ गाड़ियों पर कार्यवाही की गई है ,जिन्हें थाने से दस्तावेज जांच के बाद उन्हें सुपुर्द कर दिया गया है। तो वहीं इसमें कुल ३५०० रुपये की चालानी कार्यवाही हुई है। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि लगातार क्षेत्र में चोरियां होते रहती है जिसमें मोटरसाइकिल का उपयोग किया जाता है। जो बिना नंबर प्लेट या फर्जी नंबर प्लेट की होती है वैसे भी बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना अवैधानिक है। यातायात नियम का उल्लंघन होता है जिसके लिए मुहिम के रूप में यह कार्यवाही की जा रही है एवं समस्त मोटरसाइकिल एवं मोपेड चालकों से मांग की जा रही है कि वह अपने वाहनों में नंबर प्लेट अवश्य लगवाएं। साथ ही विभिन्न वाहन चालकों को यातायात नियम का पालन करने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

माधवराव सदाशिव राव गोलवकर स्मृति न्यास के तत्वातधान में शिक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। माधवराव सदाशिव राव गोलवकर स्मृति न्या स के तत्वातधान में शिक्षकों को प्रशिक्षण देने का आयोजन ११ और १२ जून २०२५ को आयोजित किया गया। जिसमें केशव इंग्लिश स्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। केशव इंग्लिश विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप शर्मा एवं ४० शिक्षक शिक्षिकाओं तथा सरस्वती स्कुल के प्राचार्य राजेन्द्र मिश्रा तथा १८ शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें ज्ञान विकास समिति अध्यक्ष तिलक पारधी, सचिव संजय मान्धाता, सदस्य श्रीमती चेतना देवरस ,राजेश सिघंई उपस्थित रहे। एवं विभाग सरसंघ चालक श्रीरंग देवरस के द्वारा अंग्रेजी विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

विश्व हिंदू परिषद संगठन की बैठक १५ को

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विश्व हिंदू परिषद प्रखंड वारासिवनी की संगठन विस्तार को लेकर प्रखंड़ पालक पंकज बिसेन के आतिथ्य में १५ जून को शंकर तालाब के निकट स्थित जोड़ा पीपल हनुमान मंदिर परिसर में शाम ४ बजे से बैठक आहूत की गई हैं। परिषद के प्रखंड अध्यक्ष श्याम बोकडे ने चर्चा कर बताया कि रविवार १५ जून को आयोजित इस बैठक में संगठन के विस्तार के साथ ही गौ रक्षा, क्षेत्र में बडे स्तर पर चल रहे धर्मांतरण, लव जिहाद , गौ तस्करी सहित अन्य विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर इस पर कार्ययोजना बनाई जाएँगी। परिषद के अध्यक्ष श्याम बोकड़े ने इस बैठक में सभी हिंदूवादी विचारधारा के लोंगो से शामिल होने की अपील की हैं।

बोरे में दबने से हमाल टेकचंद उइके गंभीर रूप से घायल

मामला आकाश राइस मिल का जिला चिकित्सालय रिफर

.वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदीवाड़ा के खापा मार्ग स्थित आकाश इंडस्ट्रीज में १२ जून को ट्रक खाली करने के दौरान बोरियों में दबने से टेकचंद उइके गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय

रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टेकचंद पिता स्व. कन्हैयालाल उइके ग्राम कोथुरना निवासी मजदूरी का काम करता है। जो आकाश इंडस्ट्रीज में १२ जून की सुबह ट्रक में आई सामग्री को खाली करने का काम कर रहा था। तभी अचानक मौके पर सामग्री से भरे बोरे उसके ऊपर गिर गए जिसमें वह दब गया। यह देख साथियों के द्वारा तत्काल दौड़कर टेकचंद के ऊपर गिरे हुए भारी बोरों को हटाया गया। मौके पर उपस्थित साथियों की मदद से टेकचंद की जान तो बच गई किंतु उसके हाथ और पैर में गंभीर चोटे आ गई हैं। जिसे तत्काल शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाकर भर्ती किया गया। डॉक्टर के द्वारा प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। इस घटना में घायल टेकचंद उइके को हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरुनी बाहरी गंभीर चोटे भी आई है।

आज का अहम् सियासी सवाल- मोदी का उत्तराधिकारी कौन? ....शाह या योगी?

अभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के तीसरे कार्यकाल के चार साल शेष है और उनके समर्थकों द्वारा अभीसे यह कहा भी जा रहा है कि 2029 के बाद भी मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे और वे नेहरू जी के प्रधानमंत्रित्व काल (सत्रह वर्ष) और इंदिरा जी के प्रधानमंत्रित्व काल (अठारह वर्ष) का कीर्तिमान ध्वस्त करेंगे, किंतु साथ भारतीय राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी मुख्य रूप से तैर रहा है कि ''मोदी के बाद कौन?'' मुझे अच्छी तरह से याद है कि जवाहरलाल नेहरू के प्रधामंत्रित्व काल के दौरान भी ''उत्तराधिकारी'' का यह सवाल जोर-शोर से उठाया गया था और उसका उत्तर नेहरू की बेटी ने जोर शोर से दिया था। किंतु अब तो मोदी जी का नेहरू की तरह कोई पारिवारिक वारिस भी नही है, इसलिए यह सवाल अब सामाजिक दायरे से बाहर आकर राजनीतिक दायरे में आ गया है और देश के मौजूदा राजनेताओं के ही आसपास मंडरा रहा है, जिसके दायरे में देश के दूसरे क्रम के बड़े राजनेता और गृहमंत्री अमित शाह और देश की राजनायिक राजधानी उत्तरप्रदेश के सर्वोच्च नेता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आ रहे है और इन्ही दोनों शीर्ष नेताओं के समर्थक राजनीति का यह खेल खेल रहे है और अपनी-अपनी लॉबी के विस्तार में व्यस्त है।

जहाँ तक विपक्षी दलों का सवाल है वे तो नैराश्य के सागर में गौते लगा रहे है क्योंकि अगले चार साल तो उन्हें कोई संभावना नजर नही आ रही और आगे का क्या भरोसा? पता नही तब तक ये राजनीति का 'ऊँट' किस करवट बैठ जाए? इसलिए देश की राजनीति अब सिर्फ और सिर्फ भाजपा तक ही केन्द्रित होकर रह गई है और इसी में पक्ष और विपक्ष दोनों पैदा हो गए है। जहां तक तथाकथित मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस का सवाल है, वह तो अपनी ''मृत्यु शैईया'' पर अंतिम श्वांस लेने की स्थिति में है, इसलिए मजबूर होकर सत्तारू? भाजपा को ही अपने में से ही 'प्रतिपक्षी गुट' को पैदा करना पड़ा।

हाँ, तो मुख्य सवाल मोदी जी का यद्यपि उनकी स्वयं की इच्छा प्रधानमंत्री पद के अब तक के सभी कीर्तिमान ध्वस्त करने की है। इसीलिए उनके समर्थकों से ''2029 के बाद भी मोदी ही'' का नारा लगवाया जा रहा है, किंतु इस नारें के साथ नारेबाजों का नेतृत्व करने वालों को अपने स्वयं के राजनीतिक भविष्य की भी चिंता सता रही है, इसीलिए उन्हीं में से यह सवाल उठाया गया है कि ''मोदी के बाद शाह या योगी''?

खैर, अब तक स्वयं मोदी जी ने इस नारे को कोई अहमियत इसलिए नही दी है क्योंकि अभी तो उनके तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष ही गुजारा है, तीसरा कार्यकाल पूरा होने के बाद भी वे नेहरू-इंदिरा का कीर्तिमान ध्वस्त नही कर पाएगें, उसके लिए 2029 में पुनः प्रधानमंत्री बनना पड़ेगा, किंतु साथ ही यह भी अहम् राजनीतिक चिंता है कि चार साल का अगला समय किसने देखा? कब क्या हो जाए? अभी कैसे कहा जा सकता है।

अभी भारतीय जनता पार्टी की राजनीति इन्ही सवालों के समुद्र में डुबकी लगा रही है। लेकिन यह सही है कि ऊपरी तौर पर चाहे जाहिर न किया जा रहा हो किंतु अन्दरूनी

'पेसा' से लागू होगा सरना धर्म कोड

झारखंड की राजनीति इन दिनों एक ऐसे विषय के इर्द-गिर्द घूम रही है, जिसे अगर ठीक से समझा जाए तो यह न केवल राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा के लिए भी एक कसौटी-परीक्षण है। हम बात कर रहे हैं सरना धर्म कोड की—एक मांग जो आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान, परंपरा और आत्मनिर्णय से जु?ा है। विडम्बना है कि यह गंभीर मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में भावनात्मक शस्त्र के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। सरकार हो या विपक्ष, दोनों ही सरना धर्म कोड विषय पर मौकापरस्त रवैया अख्तियार किए हुए हैं। राज्य सरकार केंद्र सरकार को दोष देती है, और केंद्र सरकार इसे तकनीकी प्रक्रिया बता कर टालती रही है। यह विषय केवल जनगणना के एक कॉलम भर की बात नहीं है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान द्वारा प्रदत्त आत्म-निर्णय के अधिकार से गहराई से जुड़ा है। लेकिन बड़ा सवाल है—क्या इस पूरे विमर्श में कहीं पेसा 1996 को देखा गया है? क्या पेसा कानून, जिसे आदिवासी स्वशासन की आत्मा माना जाता है, इस मुद्दे का वैकल्पिक समाधान प्रस्तुत नहीं करता? झारखंड के आदिवासी समुदाय लंबे समय से एक अलग धर्म पहचान की मांग करते आ रहे हैं जिसे वे सरना धर्म के नाम से जानते हैं। यह धर्म प्रकृति पूजक है, जिसकी मान्यताएं जंगल, पहाड़, नदी और पुरखों की आत्मा से जुड़ी हैं। सरना धर्म कोड की मांग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना प्रपत्र में एक स्वतंत्र धर्म कॉलम हो, जहाँ आदिवासी समुदाय खुद को हिंदू, ईसाई या किसी अन्य धर्म की श्रेणी में जबरन फिट करने के बजाय, अपनी वास्तविक धार्मिक पहचान के साथ अंकित कर सकें। भारत की जनगणना प्रणाली में आदिवासियों को स्पष्ट रूप से धार्मिक रूप से पहचानने की कोई स्वतंत्र व्यवस्था नहीं रही है। इसका परिणाम यह होता है कि उन्हें आमतौर पर हिंदू या ईसाई मान लिया जाता है, जिससे उनके धार्मिक अस्तित्व को अनदेखा किया जाता है। आदिवासियों का यह दावा रहा है कि उनकी धार्मिक पहचान किसी स्थापित धर्म से मेल नहीं खाती। सरना धर्म वास्तव में एक प्राकृतिक धर्म है जो प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और पूर्वजों की आत्मा की उपासना पर आधारित है।

केंद्र सरकार की विचारधारा

भारत सरकार विशेष रूप से वर्तमान शासन के दौरान आदिवासी आस्था पद्धतियों को सनातन धर्म की उप-धारा मानती रही है। उनके अनुसार, चूंकि आदिवासी भी हिंदुओं की तरह पे?-पौधों, पत्थर, नदी, झरने, देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, इसलिए वे हिंदू धर्म के ही अंग हैं। यह मान्यता आदिवासी धार्मिक स्वतंत्रता और पहचान की स्वायत्तता के बिलकुल खिलाफ है। सरना धर्म न तो मूर्तिपूजक है, न ही वह वेदों या शास्त्रों पर आधारित है। उसकी पहचान स्थानीय परंपराओं, प्रकृति और सामुदायिक पूजा में है। इसलिए जब सरकार यह मानती है कि सरना, सनातन का ही रूप है, तो वह आदिवासी समाज की धार्मिक स्वायत्तता का हनन करती है। सरना अनुयायियों का तर्क है कि उनकी पूजा-पद्धति में कोई संगठित मंदिर, पुरोहित व्यवस्था या धार्मिक ग्रंथ नहीं होते, जो कि ब्राह्मणवादी ढांचे से अलग है। यह भिन्नता केवल सांस्कृतिक नहीं बल्कि धार्मिक और वैधानिक रूप से भी विशिष्ट है।

पेसा और सरना धर्म कोड का अंतर्संबंध

इसी पृष्ठभूमि में पेसा अधिनियम 1996 एक वैधानिक विकल्प और संभावित मार्ग के रूप में उभरता है। पेसा, संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में समुदायों को विशेष अधिकार देने के लिए, लाया गया था। इस कानून की धारा 4(डी) की मान्यता है- हर ग्रामसभा को यह अधिकार होगा कि वह अपने क्षेत्र की परंपरा, रिवाज, उपासना पद्धति और धार्मिक विश्वासों का संरक्षण, संवर्धन और दस्तावेजीकरण कर सके। यहां तीन शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं- संरक्षण,संवर्धन और दस्तावेजीकरण । यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अगर राज्य सरकार ईमानदारी से चाहे तो वह पेसा को प्रभावी रूप से लागू करके ग्रामसभाओं को यह अधिकार दे सकती है कि वे सरना को अपनी मान्य उपासना पद्धति के रूप में दस्तावेजीकृत करें। एक बार जब यह दस्तावेजीकरण ग्रामसभा के स्तर पर हो गया और उसे राज्य मान्यता दे दे, तो यह कानूनी रूप से मान्य दस्तावेज बन सकता है, जिससे जनगणना या सरकारी पहचान में सरना धर्म की वैधानिकता को बल मिलेगा। यह एक क्रांतिकारी प्रावधान है। यह पहली बार भारतीय कानून में यह स्वीकार किया गया कि परंपरा, रिवाज और उपासना पद्धति केवल संस्कृति नहीं, बल्कि वैधानिक अधिकार हैं। यह वह कानूनी आधार है जो सरना धर्म जैसी आस्था को स्थानीय स्वीकृति से लेकर राज्यस्तरीय मान्यता तक पहुंचा सकता है। जब हज़ारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा। यदि झारखंड सरकार पेसा को पूर्णतः लागू करे और ग्रामसभाओं को उनके परंपरागत धर्म, पूजा विधियों और विश्वासों को औपचारिक रूप से दर्ज करने का अधिकार दे दे, तो ग्रामसभा द्वारा मान्य सरना धर्म एक कानूनी दस्तावेज में बदल सकता है। जब हज़ारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा। अब प्रश्न उठता है कि जब पेसा यह कहता है कि ग्रामसभा अपने उपासना पद्धति को मान्यता दे सकती है, तो क्या यह रास्ता सरना धर्म कोड को भी वैधानिक वैधता दे सकता है? हाँ, यदि राज्य सरकार इच्छा शक्ति दिखाए। यह विधिक वैधता जनगणना में धर्म कॉलम में एक स्वतंत्र स्थान की मांग को और भी अधिक मजबूत बना सकती है। इससे यह स्पष्ट संकेत जाएगा कि सरना कोई व्यक्तिगत आस्था नहीं बल्कि सामुदायिक और परंपरागत धार्मिक संरचना है।

ग्रामसभा के प्रमाणन की शक्ति

झारखंड में पेसा-1996 के नियमावली को अधिनियमित करने की प्रक्रिया चल रही है। नियमावली के लागू होने के बाद ग्रामसभा अपने नियम, परंपराएं और निर्णय प्रक्रिया खुद तय करने के लिए कानूनी तौर पर अधिकृत हो जाएंगी। पेसा के तहत ग्रामसभा अपने धर्म की पहचान दर्ज कर सकती है और यह सरना धर्म को एक व्यवस्थित और विधिसम्मत रूपरेखा के तौर पर स्थापित कर सकती है। यहाँ राज्य सरकार को एक साहसिक और दूरदर्शी निर्णय लेना होगा — केंद्र सरकार की अनुमति की प्रतीक्षा करने के बजाय राज्य के स्तर पर ही पेसा की शक्तियों को क्रियान्वित करना होगा। यह निर्णय झारखंड के लिए एक संवैधानिक प्रयोग बन सकता है जो पूरे भारत में अनुसूचित क्षेत्रों के लिए एक उदाहरण होगा। पेसा के तहत ग्रामसभा को सत्यापन और प्रमाणीकरण का अधिकार प्राप्त है। इसका अर्थ है कि यदि ग्रामसभा किसी बात को प्रमाणित करती है — जैसे, कोई परिवार सरना धर्म का अनुयायी है — तो वह प्रमाण वैधानिक होगा। झारखंड सरकार चाहें तो राज्य के जाति-आधारित प्रमाणपत्र की तरह एक धार्मिक पहचान प्रमाणपत्र की प्रणाली शुरू कर सकती है जिसमें ग्रामसभा द्वारा प्रमाणित सरना अनुयायी को राज्य स्तर पर धार्मिक मान्यता दी जाए। यह प्रणाली न केवल संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करेगी बल्कि इसे आधार बनाकर केंद्र सरकार पर दबाव भी डाला जा सकता है कि वह इसे जनगणना प्रपत्र में स्थान दे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद-25 हर नागरिक को अपने धर्म को मानने, प्रचार करने और आचरण करने की स्वतंत्रता देता है। इसमें यह नहीं कहा गया कि कोई धर्म तभी मान्य होगा जब वह किसी शास्त्र, देवता या पुरानी किताब से जुड़ा हो। यदि संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, तो आदिवासी समाज को सरना धर्म के नाम से पहचान पाने का अधिकार है, और उसे जबरन हिंदू या ईसाई बताना संविधान का उल्लंघन है। पेसा 1996 इसी संवैधानिक भावना की पूर्ति करता है। राजनीतिक दल सरना धर्म को भावनात्मक मुद्दा बनाकर चुनावी लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन इसका समाधान सिर्फ भावनाओं से नहीं बल्कि वैधानिक और संवैधानिक उपायों से निकलेगा। पेसा, ग्रामसभा की शक्ति और राज्य सरकार की इच्छाशक्ति — ये तीन स्तंभ सरना धर्म को एक विधिसम्मत धर्म कोड में बदल सकते हैं।

- सुधीर पाल

धर्म के आवरण में दरिंदिगी- कुछ तो गड़बड़ है

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। खासतौर से जब से आसाराम,स्वामी चिन्मयानंद,गुरमीत राम रहीम,स्वामी नित्यानंद,दाती महाराज,रामपाल,आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं,भीमानंद महाराज उर्फ शिवमूरत द्विवेदी,राम शंकर तिवारी उर्फ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो धर्म क्षेत्र में इसतरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाज के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया ,यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इस ने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई-तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी,चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेजी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालाँकि देश में यौन शोषण को लेकर काफी कड़े कानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। खासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमजोर कानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ़्रीका,स्वीडन,संयुक्त राज्य अमेरिका,इंग्लैंड,मिस्र,फ्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है।

कहीं आश्रमों,मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहाँ महंत, पुजारी,पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया। चार महीने बाद गोविंद नगर थाने में शिकायत तो दर्ज जरूर हुई, लेकिन परन्तु चूँकि महंत, पुजारी, और अन्य रैपिस्ट प्रभावशाली थे इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस ने देर से कार्रवाई की। इसी तरह मई 2025 में आगरा के एक मंदिर में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना चर्चा में रही। इस मामले में पुलिस ने शुरू में आरोपी को छोड़ दिया था लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उसे फिर से गिरफ्तार किया गया। इसी तरह अप्रैल 2025 में सीतापुर में एक मंदिर के पुजारी पर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने और एक पत्रकार की हत्या का आरोप लगा था। ऐसे ही सतना के नदन थाना क्षेत्र में एक कथा वाचक नारायण स्वरूप त्रिपाठी ने तीन नाबालिग बहनों को काल सर्प दोष की पूजा करने के बहाने अपने कमरे में बुलाकर उनका बलात्कार किया। पीड़ित बहनों के परिजनों की शिकायत पर नादन थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। इसी तरह कुछ समय पूर्व दिल्ली के द्वारका में बाबा मसानी नामक एक राक्षस को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसने पहले तो एक महिला से पांच लाख रुपये मांगे। बाद में पैसे न मिलने से खिन्न इस दुष्ट ने उस महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर उससे बलात्कार किया। यह बाबा माता मसानी चौकी के नाम से अपना दरबार चलाता है। यह यू ट्यूबर भी है।

ऐसे ही केरल में कैथोलिक चर्च से जुड़े यौन शोषण के मामले चर्चा में रहे। एक नन ने जालंधर के रोमन कैथोलिक चर्च के बिशप पर 14 बार यौन शोषण का आरोप लगाया था । 2019 में तो पोप फ्रांसिस ने भी स्वीकार किया था कि भारत, लैटिन अमेरिका, इटली, और अफ्रीका में बिशप और प्रीस्ट द्वारा नन्नों का यौन शोषण हुआ है। पटना में 2017 में एक पादरी पर दो महिलाओं के साथ बलात्कार और धर्म परिवर्तन के नाम पर यौन शोषण का आरोप लगा। इसी प्रकार दिसंबर 2024 में संभल, उत्तर प्रदेश, में एक मस्जिद के मौलाना साजिद और उसके भाई पर 13 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश और तीन घंटे तक बंधक बनाने का आरोप लगा। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया। एक तथ्य यह भी है कि धार्मिक संस्थानों में यौन शोषण के मामलों को अक्सर दबाने की कोशिश की जाती है। इसकी वजह यह है कि एक तो धार्मिक संस्थान समाज में सम्मानित स्थान माने जाते हैं। दूसरे यह कि वोट बैंक के चलते इनके राजनैतिक रसूल भी होते हैं। यही वजह है कि ऐसे कई मामलों में, प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई में देरी होती है। जैसे कि आगरा और कानपुर की घटनाओं में पुलिस की प्रारंभिक निष्क्रियता की काफी आलोचना हुई थी । धर्मस्थानों में होने वाली व धर्मिकता का लिबादा ओढ़े लोगों द्वारा ऐसे घटनाओं को अंजाम देने की प्रवृति ने धार्मिक सोच धार्मिक शिक्षा व धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिये हैं। लिहाजा इस निष्कर्ष पर पहुँचने में कोई हर्ज नहीं कि धर्म के आवरण में दरिंदिगी फैलाने जैसे अधर्म में कहीं न कहीं कुछ न कुछ गड़बड़ तो जरूर है।

- निर्मल रानी

व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के साथ किताबी ज्ञान की डिग्री सोने पर सुहागा - हर व्यक्ति शिक्षित है कोई व्यवहारिक तो कोई किताबी

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है। याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वत संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्यावहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्योहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगों की श्रेणी में आयेंगे।

साथियों हम आम तौर पर देखते हैं कि स्थिति बिगड़ती देख अच्छे-अच्छे व्यवहारिक ज्ञान वाले व्यक्तिभी किताबी ज्ञान वालों को कहते हैं तुम तो पढ़े लिखे हो! हम को क्या समझता है हम तो अनपढ़ हैं, बस!इसी वाक्य में वे अपनी जवाबदारी से पीछा छुड़ाकर किताबी ज्ञान वालों के ऊपर डाल देते हैं और जब स्थिति अपने पक्ष में हो रही तो कहते हैं, देखो मैंने यह किया,फ़िर तुम्हारी पढ़ाई लिखाई क्या काम की? इसीलिए स्थिति पक्ष में हो या विपक्ष में दोनों स्थितियों में व्यवहारिक ज्ञान के धनी की ही जीत है। इस सामाजिक स्थिति पर व्यंग्य के रूप में हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक ज्ञान और किताबी ज्ञान दोनों की जरूरत की करें तो की करें तो सच तो यह है कि हमें किताबी ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान दोनों की आवश्यकता है। सिर्फ़ किताबी ज्ञान से हम जीवन में फंस जाएँगे, खासकर तब जब हम कक्षा से बाहर निकलेंगे और सिर्फ़ व्यावहारिक ज्ञान से हम फंस जाएँगे क्योंकि हम सरल निर्देश नहीं पढ़ पाएँगे या सरल गणितीय समस्याएँ हल नहीं कर पाएँगे। लेकिन मेरा मानना है कि हमें किताबी ज्ञान से ज़्यादा व्यावहारिक ज्ञान की ज़रूरत है, क्योंकि जीवन समस्याओं से भरा है और इन समस्याओं के लिए व्यावहारिक समाधान की ज़रूरत है, उदाहरण के लिए अगर कोई भविष्य में इंजीनियर बनना चाहता है, तो चाहे वह कितना भी पढ़े-लिखे, उसे व्यावहारिक ज्ञान नहीं होगा जब तक वह अभ्यास न करे, वह किताबें पढ़कर घर में तार नहीं लगा सकता। व्यावहारिक ज्ञान के ज़रिए ही थॉमस एडिसन ने कई बार असफल होने के बाद आखिरकार एक लाइट बल्ब का आविष्कार किया था। किताबी ज्ञान सिर्फ़ समाधान देता है जबकि व्यावहारिक ज्ञान समाधान को कारगर बनाता है। इसकी तुलना उस व्यक्ति से की जा सकती है जो साल भर नौकरी के लिए प्रार्थना करता है लेकिन आवेदन नहीं करता या नौकरी की तलाश में नहीं जाता। दुनिया को व्यावहारिक ज्ञान की आवश्यकता है क्योंकि यह वह ज्ञान है जो हमें बताएगा कि देश में भुखमरी को कैसे कम किया जाए, सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या को कैसे कम किया जाए, किसी घातक बीमारी को फैलने से कैसे रोका जाए आदि, इसलिए व्यावहारिक ज्ञान का हमारे जीवन में अधिक प्रभाव पड़ता है।

साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़!पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा,अगर सुबह एक किताबी अशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता है।ऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रट्टा फिकेसन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए या ना आए, बस रट्टा मारों और पास हो जाओ।

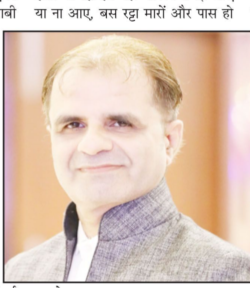

साथियों शायद इसीलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है।पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबीअनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानहीं होता।कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ को परेशानी होती है।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ बहुत थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े-लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है।

साथियों शिक्षित व्यक्ति किसी भी सुनी सुनाई बातों पर जल्दी विश्वास नहीं करता है जब तक वह उन्हे अपनी मन की कसौटी पर खरा नहीं उतार लेता। जबकि एक किताबी अनपढ़ व्यक्ति को कह दो कि तुम्हारा कान कौवा ले गया है तो वह अपने कान को नहीं देखेगा बल्कि कौवे के पीछे भागना शुरू कर देगा। जबकि एक पढ़ा लिखा व्यक्ति पहले अपने शरीर के सभी अंगों को ठीक से चेक करेगा। फिर क्यू कहेगा? बस यही शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्ति में अंतर है। किताबी अनपढ लोगों पर व्याहारिक ज्ञान होता है मगर अशिक्षित व्यक्ति वह होते हैं जो व्याहारिक ज्ञान में भी पिछड़े होते हैं। कुछ अपवादों को छोड़कर शिक्षित में संस्कार और लोकाचार का अभाव मिलता है। दोनों शब्द पर्यायवाची है पर कह देते हैं यह किताबी अनपढ अंगूठा टेक है मगर वह संस्कारित हो सकता है। अशिक्षित के लिए कहा जाता है कि तुम तो पढ़-लिखकर अशिक्षित ही रहे। किताबी अनपढ को कुछ बातें में अनदेखा कर देते हैंया कहे वह अपनी कमजोरी छुपा जाते हैं, पर अशिक्षित से ऐसी आशा कम की जाती है।वहअपनी कमी नहीं छुपा पाते।कुछ विशेष अंतर नहीं है भावनात्मक अंतर ही लगता है । किताबी अनपढ की अपेक्षा अशिक्षित शब्द अधिक बुरा लगता है।

साथियों बात अगर हम संस्कारों और विचारधारा की करें तो व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के परिपक्व व्यक्ति अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पर चलकर संस्कारों का परिचय देते हैं। वहीं किताबी ज्ञान डिग्री लेने वाले कुछ अपवादों को छोड़कर संस्कारों और विचारधारा में साफ फर्क दिखा देने लगते हैं अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पुरानी और ढकोसली लगने लगती है रिश्ते नातों में कमजोरी को बल मिलता है और विवाहित होने पर सिर्फ अपने परिवार की जवाबदारी तक सीमित हो जाते हैं जबकि व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों में ऐसा नहीं है परंतु यह हम जरूर कहेंगे के किताबी ज्ञान वालों से अधिक ज्ञान समझ रखने वाले व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों के दोनों हाथों में मलाई होती है जिससे स्थिति अनुसार प्रयोग में करते हैं स्थिति बिगड़ी तो तुम तो पढ़े लिखे हो! हम ठहरे अनपढ़, हमको क्या समझता है!! और परिस्थिति का हमारे तरफ झुकाव रहा तो, देखो तुम तो पढ़े लिखे हो!! तुम्हारी पढ़ाई लिखाई किस काम की? हम तो अनपढ़ ही अच्छे है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जो हमारे मानवीय गुणों को भी विकसित करें। हमें संवेदनशील, सहनशील और व्यवहारिक के साथ-साथ देश और समाज के प्रति जागरूक भी बनाएं। जैसे प्राचीन काल में गुरुकुल में होती थी।जहाँ ना सिर्फ पुस्तक ज्ञान सिखाते थे बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यवहारिक और शस्त्र ज्ञान भी शिक्षा के साथ-साथ ही सिखाया जाता था। अगर अच्छी किताबी शिक्षा या व्यवहारिक शिक्षा होने के बावजूद भी हम दकियानुसी सोच रखते हैं।अपने घर को साफ रखते हैं,पर सड़क पर कचरा करते है।दूसरो की पर्सनल लाईफ़ पर कमेंट करते हैं तो हमारे शिक्षित होने का क्या अर्थ है?

- किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। लेवाली अभाव में गुरूवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार नरमी के रहे। चना पूर्वस्तर पर रहा। खाद्य तेलों में नरमी आयी। तिलहनों में सोयाबीन बाजार घटत पर रहे। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में लेवाली वाली बात नहीं है। नये मालों की आवकों से बाजार नरमी पर है। चना 5700-5750 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। खाद्य तेलों में बाजार सुस्त-सुस्त नज़र आये। तिलहनों में सोयाबीन 4200 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर ही रहा। उधर, किराना जिंसों में सामान्य कारोबार के बीच बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4160, खोपरा गोला 220-265, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 2900-3000, (200) 3300-3400, (250) 3400-3500

तेल- सींगदाना 1330-1340, मुम्बई 1360, राजकोट तेलिया 2140-2150, सोया साल्वेंट 1060-1070, सोया रिफाइंड 1130-1140, कपास्या 1180, धूलिया 1180, कड़ी 1190,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320, मुम्बई पाम 1220, मुम्बई सोया 1170,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600, सोयाबीन 4200, टोली (महुआ बीज) 4200-4300, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5200-5300, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-6000, मूंग देशी 6200-6300, पाला 6300-6400, चमकी 6400-6500, नायलोन 6500-6600, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 102900, चॉंदी (99) 102800, टंच 101800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97500,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 85.52 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों की सकारात्मक शुरुआत से रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे चढ़कर 85.46 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.43 पर खुला। फिर 85.46 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आपका स्वास्थ्य कुछ नरम गरम रहने वाला है, इसलिए आप अपने खानपान पर पूरा ध्यान दे, लेकिन अपनी दिनचर्या में बिल्कुल बदलाव ना करें, नहीं तो बाद में आपको समस्या हो सकती हैं. राजनीतिक कार्यक्रमों में कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है. कार्यक्षेत्र में आपसे कोई गलती होने के कारण आपके मन में भय बना रहेगा. आप भाई बहनों से यदि कोई मदद मांगेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगी।

वृषभ- आपकी सामाजिक पद और प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा. आप अपनी दैनिक सुख-सुविधाओं की कुछ वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं, जिससे आपके शत्रु हैरान रहेंगे, लेकिन आपको उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है. परिवार में किसी सदस्य का रिटायरमेंट होने से आप किसी छोटी-मोटी पार्टी का आयोजन हो सकता है. आपको किसी नए काम की शुरुआत करना बेहतर रहेगा।

मिथुन- आपके लिए सावधानी सतर्कता बरतने के लिए रहेगा. आप किसी जोखिम भरे काम में हाथ ना डालें, नहीं तो आपको समस्या हो सकती है. आप अपने घर को रेनोवेट कराने पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें आप अच्छा खासा धन भी व्यय करने की सोचेंगे. किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने से आपकी साख चारों ओर फैलेगी और आपके मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा।

कर्क- आपके लिए धन संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है. आपको रुके हुए धन की प्राप्ति होने से आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी और आपकी मान व प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी. आपने परिवार में किसी सदस्य से यदि कोई वादा किया था, तो आप उसे पूरा करने में कामयाब रहेंगे, लेकिन अविवाहित जातकों के जीवन में आज किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है. विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा में आ रही समस्याओं के कारण पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।

सिंह- आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है. आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, लेकिन आप दूसरों की मदद बहुत ही सोच विचार कर करें, नहीं तो लोग इसे आपका स्वार्थ भी समझ सकते हैं. आप यदि आज किसी को धन उधार दे, तो उसमे बहुत ही सावधानी बरते. किसी कानूनी मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी नई संपत्ति प्राप्ति के लिए रहेगा. यदि आप प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं, तो आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा लाभ लेकर आएगी और आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपकी साख चारों ओर फैलेगी. माता पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम समय रहते पूरा होगा. आप अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा. आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे, जिसके कारण आपके स्वभाव में भी चिड़चिड़ापन बना रहेगा. आप रक्त संबंधी रिश्तों में चल रही अनबन को बातचीत के जरिए सुलझाने में कामयाब रहेंगे.,परिवार में किसी सदस्य से किए हुए वादे को आप समय रहते पूरा करें. आपकी कार्यक्षेत्र में किसी से यदि वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो उसमें आप धैर्य बनाए रखें और वाणी की मधुरता आपको मान सम्मान दिलाएगी।

वृश्चिक- आज का दिन राजनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा और उन्हे उनके कार्यों से जाना जाएगा और उनकी कोई महत्वाकांक्षा भी पूरी होती दिख रही है. आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आप यदि कुछ धन उधार लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा. आप संतान के भविष्य के लिए भी कुछ धन संचय करने पर विचार कर सकते हैं, जिसमें आपको जीवनसाथी से बातचीत करनी होगी।

धनु- पारिवारिक जीवन सुखमय रहने वाला है. आपको दूसरों के सहयोग से किसी काम को करना बेहतर रहेगा, लेकिन आप किसी संपत्ति संबंधित विवाद में ढील ना बरतें, नहीं तो आपके लिए समस्या हो सकती है. यदि आप परिवार में किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई फैसला ले, तो उसमें बड़े सदस्यों से बातचीत अवश्य करें और नौकरी कर रहे जातकों को प्रमोशन मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके प्रभाव और प्रताप में वृद्धि दिलाने वाला रहेगा. आपको जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार प्राप्त हो सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप व्यवसाय के किसी काम को लेकर छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी. आपको अपने किसी काम के पूरा होने के लिए अत्यधिक मेहनत करनी होगी, तभी वह समय रहते पूरा हो पाएगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मान व प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा। यदि आप किसी संपत्ति का सौदा करने जा रहे हैं, तो उसके चल-अचल पहलुओं को स्वाधीनता से जांच लें, नहीं तो आपको समस्या हो सकती है. वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा और आप अपनी वाणी से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे. आप यदि आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए कुछ प्रयास करेंगे, तो उनमे आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा और अपने लिए सुख भोग के साधनों की भी खरीददारी कर सकते हैं, जिसमें आप अच्छा खासा धन भी व्यय करेंगे. आपको शासक सत्ता का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन आपको किसी बाहरी व्यक्ति से अपने मन में चल रही बातों को शेयर करने से बचना होगा, नहीं तो वह उसका फायदा उठा सकते हैं।

शब्दजाल - 7928

शब्दजाल में 'आमिर खान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	जी	र	इ	ट	ली
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तु	ग	झ	व
जी	क	पां	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

लव लव लव,लगान,राख,दिल, जवानी जिंदाबाद, रंग दे बसंती, मंगल पांडे, रंगीला, बाजी, इश्क

शब्दजाल - 7927 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6872

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉंद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 6871

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	धनु में
मंगल	सिंह में
बुध	मिथुन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ	समय
मिथुन	05.26 बजे से
कर्क	07.39 बजे से
सिंह	09.56 बजे से
कन्या	12.07 बजे से
तुला	14.18 बजे से
वृश्चिक	16.33 ब.से
धनु	18.49 बजे से
मकर	20.54 बजे से
कुंभ	22.41 बजे से
मीन	00.13 बजे से
मेष	01.44 बजे से
वृष	03.24 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 164 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 15.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 23.21 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 13.48 बजे को समाप्त।
करण गर 15.19 बजे तदनन्तर वणिज 03.36 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872374
जूलियन दिन 2460839.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सबसे बड़ी सेवा

अबू उसमान हैरी नामक के एक संत थे. खुरासान में रहते थे. दूर-दूर तक उनका नाम था. लोग बड़ी श्रद्धा से उनके पास आते थे और उनके सात्विक जीवन और उपदेशों से लाभ उठाते थे. एक बार एक आदमी हज करने के विचार से घर से निकला. रास्ते में अबू उसमान हैरी की जगह पड़ती थी. उसने सोचा कि थोड़ा रुककर संत के दर्शन करता चलूं. यह सोचकर वह उनके निवास पर पहुंचा और उनको सलाम किया, लेकिन संत ने उसके सलाम का जवाब नहीं दिया. इस बात से वह आदमी बड़ा दुःखी हुआ. वह कितनी श्रद्धा से उनके पास आया था और उन्होंने उसका अभिवादन भी स्वीकार नहीं किया. यह क्या हुआ? वह सोच में पड़ा हैरान हो रहा था कि संत ने कहा, "मां को नाराज करके हज करना अच्छा नहीं." अब उसे ध्यान आया कि उसकी मां को उसकी जरूरत थी और वह उसे रोकती रही थी. जब वह नहीं माना तो वह नाराज भी हो उठी थी. उसकी नाराजगी की चिन्ता न करके वह घर से चल पड़ा था. संत की बात सुनकर वह उल्टे पैरों लौट गया और जबतक उसकी मां जीवित रही, उनकी सेवा करता रहा. मां का देहान्त हो जाने के बाद जब वह उन संत के पास पहुंचा, तो उन्होंने बड़े प्यार और आत्मीयता से उसका स्वागत किया और उसे अपना आशीर्वाद दिया.

सूडोकु नवताल- 7181

★★★ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7180 का हल

5	7	2	8	3	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 8396

बाएँ से दाएँ

1. चोगा,गाऊन-3
3. पायजामा,शलवार-4
6. भाग्य,लक-3
7. सूर्य,भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता,निम्नता-5
12. मैडल,पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक,लेस-2
22. विलंब,लेट-2
23. जाँच,निरीक्षण-3
24. श्मशान,शवदाहगृह-4
25. साफ,बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता,उदारता-5
3. पाठ,शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन,मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप,लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा,हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8395 का हल

■	दा	बा	न	ल	■	ज	■	■
■	ग	■	मी	■	ना	मा	कू	ल
म	दा	री	■	स	ज	ना	■	बा
■	र	स	ना	■	न	■	जा	ल
आ	■	ना	म	र	ख	ना	■	ब
म	य	■	क	■	रा	श	न	■
रा	■	का	र	ण	■	क	म	रा
य	की	न	न	■	श	■	की	■
■	■	न	■	सा	व	धा	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती है। उससे भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 868 अंक नीचे आकर 81,646.79 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 253 अंक की गिरावट के साथ ही 24,855.60 पर बंद हुआ। आज के कारोहार के दौरान टेक महिंद्रा, अपोलो हॉस्पिटल्स, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, विप्रो के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं टाटा मोटर्स, कोल इंडिया, टाटा स्टील, श्रीराम फाइनेंस, एलएंडटी के शेयर सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान पर कारोबार किए, जिसमें ऑटो, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, रियल्टी में 1-1 फीसदी की गिरावट आई। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की गिरावट आई। बाजार जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में बढ़े तनाव से नकारात्मक संकेत मिले हैं। इससे एशियाई और यूरोपीय बाजार गिरे हैं। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौता भी बाजार को उत्साह नहीं दे पाया क्योंकि निवेशक अधिक व्यापक और निर्णायक समझौते की उम्मीद कर रहे थे। वैश्विक शेयर बाजारों में गुरुवार को गिरावट जारी रही, जिससे भारतीय बाजारों पर दबाव बढ़ गया, क्योंकि निवेशक अमेरिका के कमजोर मुद्रास्फीति

आंकड़ों, जारी व्यापार चिंताओं और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों को लेक सावधानी बरत रहे हैं। इस साल के अंत में फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने की बढ़ती उम्मीदों से भी अमेरिकी डॉलर लगभग दो महीने के निचले स्तर पर कमजोर हो गया। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार सपाट स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और पीएसयू बैंक सेक्टर में बिकवाली आई। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 69.22 अंक बढ़कर 82,584.36 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 23.65 अंक बढ़कर 25,165.05 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 98.65 अंक बढ़कर 56,558.40 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 120.40 अंक गिरने के बाद 59,267.75 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 26.40 अंक की गिरावट के बाद 18,772.35 पर कारोबार कर रहा था।

आयात शुल्क घटाने से खाने के तेल के गिरे भाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाने के तेलों के सीमा शुल्क में 50 फीसदी की कटौती का ऐलान किया है। कच्चे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल पर शुल्क को 20 फीसदी से 10 फीसदी कम कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 फीसदी से 19.25 फीसदी हो गया है। सरकार ने कंपनियों को अपने ग्राहकों को भी इस लाभ का हिस्सा बनाने का निर्देश दिया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव ने प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की, जिसमें शुल्क कटौती के फायदे को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। सरकार ने 31 मई को पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क में 50 फीसदी की कटौती कर इसे 20 से 10 फीसदी पर ला दिया था। अधिकारियों ने कहा, 19.25 प्रतिशत शुल्क का अंतर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता उपयोग को प्रोत्साहित करने और रिफाइंड तेलों के आयात को कम करने में मदद करेगा।खाना पकाने वाले तेलों की कीमतें एक साल में 25 फीसदी से तक बढ़ी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, वनस्पति तेल का भाव बुधवार को 155 रुपये लीटर था, जो एक साल पहले 126 रुपये था। इसी तरह सोया तेल की कीमत 123 से बढ़कर 147 रुपये, सूरजमुखी तेल का दाम 123 से बढ़कर 160 रुपये लीटर हो गई।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में देशी-विदेशी शराब की बिक्री पर बढ़ाया टैक्स

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने आय बढ़ाने के लिए राज्य में देशी और विदेशी शराब की बिक्री पर टैक्स बढ़ाने का फैसला किया है। इससे राज्य में में देशी, विदेशी शराब की कीमतों में और इजाफा होगा। टैक्स बढ़ाने की अनुमति से करीब 14,000 करोड़ रुपये की ज्यादा आय होगी। टैक्स चोरी रोकने और निगरानी प्रणाली मजबूत करने के लिए सरकार ने एक समिति का गठन किया था। महाराष्ट्र सरकार के फैसले के बाद बियर और वाइन बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली। महाराष्ट्र सरकार ने शराब पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने और बियर और वाइन को इस टैक्स से बाहर रखने के फैसले के बाद सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड, जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयरों में तेजी देखने को मिली। बीएसई में जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयरों में कारोबारी सत्र के दौरान 20 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल। बीएसई में जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयर 10.8 फीसदी, सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड के शेयर 8 फीसदी, एसओएम डिस्टीलिरीस एंड ब्रुअरीज के शेयर 2.6 फीसदीऔर बीसीएल इंडस्ट्रीज के शेयरों में 13 फीसदी की तेजी देखने को मिली। हालांकि यूनाइटेड स्पिरिट्स 6.6 फीसदी, तिलकनगर इंडस्ट्रीज 4.7 फीसदी और एलाइड ब्लेंडर्स के शेयरों में 4.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के राजस्व वृद्धि के उपायों को मंत्रिमंडल बैठक में मंजूरी दी गई। प्रस्ताव के अनुसार, शराब पर टैक्स बढ़ाने और एमआरपी फार्मूले में बदलाव कर अब 180 मिलीलीटर के देशी शराब का क्वार्टर 80 रुपये, महाराष्ट्र निर्मित शराब (एमएमएल) का क्वार्टर 148 रुपये, भारत में निर्मित विदेशी शराब का क्वार्टर 205 रुपये तथा विदेशी शराब के प्रीमियम ब्रांड के क्वार्टर की कीमत 360 रुपये हो जाएगी।भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) के 260 रुपये प्रति बल्क लीटर तक के उत्पादन मूल्य वाली घोषित शराब पर उत्पादन शुल्क की दर उत्पादन मूल्य से 3 गुना से बढ़ाकर 4.5 गुना कर दी है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये अजय अवसर हो सकते है प्रबल दावेदार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। वहीं मध्यप्रदेश में कांग्रेस संगठन के विभिन्न पदो पर चुनाव होना है जिनमें कांग्रेस के जिला अध्यक्ष से लेकर ब्लॉक अध्यक्ष एवं अन्य पदो के चुनाव होना है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता अजय अवसरे भी कांग्रेस जिला अध्यक्ष की दौड़ में शामिल है। बतादे कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के नए जिला अध्यक्ष युवा उम्र के होंगे। यह बात कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने रविवार को हुई वर्चुअल मीटिंग में कही। उन्होंने कहा, 5 साल से पहले पार्टी में शामिल नेताओं को पैनल में न जोड़े। मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान के तहत दिल्ली और भोपाल से नियुक्त ऑब्जर्वर्स की तीन सदस्यीय टीम अब हर जिले में जाकर जिला और ब्लॉक अध्यक्षों के नाम तलाशेगी। इसके साथ ही जिले में कांग्रेस की मजबूती और कमजोरी के कारणों की वजह भी तलाशेगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित प्रदेश भर में दौरा कार्यक्रम आयोजित किए गए इसी क्रम में बालाघाट जिले में सूरज हेगड़े का आगमन हो रहा है। 3 जून मंगलवार को राहुल गांधी भोपाल आए थे। उन्होंने मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की थी। यदि कोई सशक्त व्यक्ति और विचारधारा से जूड़ा हुआ सीनियर दावेदारी करता है तो उसे विशेष परिस्थितियों में शामिल किया जा सकता है। कोई मजबूत कार्यकर्ता आयुसीमा के चक्कर में छूट न जाए। लेकिन, राहुल जी की सोच है कि कांग्रेस का जिलाध्यक्ष युवा हो, तकनीक फ्रेंडली हो, सोशल मीडिया पर सक्रिय हो। ये सारी खूबियों वाले कार्यकर्ताओं को आप पैनल में शामिल करें। लांजी विधानसभा क्षेत्र से जिला अध्यक्ष के लिए प्रबल दावेदार में युवा समाजसेवी जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे की प्रबल संभावना प्रतीत होती है। आप को तीनों ब्लॉक कांग्रेस संगठन का आशीर्वाद प्राप्त है । अपने राजनीतिक सफर छात्र संघ चुनाव से प्रारंभ कर छात्र संघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए, तत्पश्चात नगर मुख्यालय लांजी से जनपद सदस्य के रूप में सेवा प्रदान की उसे वक्त तत्कालीन अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल अध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी के कार्यकाल में अपने संचार संकर्म समिति के सभापति के रूप में कार्य कर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई ,समय समय संगठन की जिम्मेदारी प्राप्त कर युवा कांग्रेस के विधानसभा प्रभारी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला तत्पश्चात मध्य प्रदेश विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे के कार्यकाल में अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी का पदभार ग्रहण कर संपूर्ण क्षेत्र में कार्य करने का अवसर मिला। वहीं आपके नेतृत्व में लांजी विधानसभा का दूसरा विधानसभा चुनाव में सफलता प्राप्त की साथ ही साथ सहकारिता के क्षेत्र में मार्केटिंग सोसायटी के सदस्य के रूप में किसानों के बीच कार्य करने का अवसर मिला। कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के सदस्य कांता राउत जी के मंडी चुनाव में उनके प्रभारी बनकर मंडी चुनाव में सफलता प्राप्त की, आपका निर्वाचित मार्गदर्शन अथक प्रयास परिश्रम सदैव कांग्रेस संगठन के अनुरूप रहा जो जिम्मेदारी संगठन के द्वारा प्रदान किए गए उसे बखूबी निभाकर आज कांग्रेस संगठन के सहयोगी बनकर पूरे जिले में कार्य कर रहे हैं वहीं सामाजिक क्षेत्र में प्रगतिशील कुनबी समाज के जिला पदाधिकारी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला कुनबी समाज संगठन लांजी के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने का अवसर मिला और आज तक सामाजिक क्षेत्र में समाज के लिए सेवा कर रहे हैं खेल के क्षेत्र में आप राज्य स्तर पर खेल प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और वर्तमान में वालीबाल संघ के जिला अध्यक्ष के रूप में युवाओं को प्रतिभा को उभरने का कार्य आपके द्वारा किया जा रहा है। इन्ही सभी विषयों को ध्यान मे रखते हुये युवा नेता अजय अवसरे जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये प्रबल दावेदार हो सकते है।

खेत में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला नीलचंद

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बहेला थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत भुरसाडोंगरी निवासी नीलचंद पिता परसराम बागड़े उम्र 45 वर्ष का शव 12 जुन को सुबह 9 बजे नत्थूलाल मेहरबान की खेत पर लगे पेड़ पर फांसी पर लटकता पाया जिससे उसकी मौत होना

बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम किया गया। पुलिस को मृतक नीलचंद पिता परसराम बागड़े के छोटे भाई रूपचंद पिता परसराम बागड़े ने जानकारी में बताया कि हम पांच भाई बहन है नीलचंद तीसरे नंबर का भाई था, जो कि नागपूर में रहता था, नीलचंद की नागपूर मे रहने वाली उलवला से शादी हुई थी, जिसे उसने 5 वर्ष पूर्व छोड़ दिया था। इसके पश्चात उसकी दुसरी शादी तुमसर महाराष्ट्र निवासी हुई थी उसे भी 6 माह पूर्व छोड़ कर अकेले रहता था। 11 जून को नीलचंद नागपूर से दोपहर करीब 2 बजे घर आया था वह मेरे घर आकर खाना खाकर मेरे बड़े भाई के घर चला गया। नीलचंद शराब पीने का आदि था। 11 जुन को रात्रि करीब 9 बजे नीलचंद मेरे घर आया तथा कुछ देर रूकने के बाद रात्रि 10 बजे घर से चला गया। हम लोग रात्रि में खाना खाकर सो गये। 12 जून को सुबह मुझे मेरा भाई सोमदास ने बताया कि मै शौच करने खेत तरफ जा रहा था तो मुझे गांव वालो बताया कि नत्थूलाल मेहरबान के खेत में पेड़ पर तुम्हारे भाई का शव फंदे पर लटकता देखा गया। सूचना पर हम लोग उक्त घटना स्थल पर पंहुचे तो देखा की मेरा भाई नीलचंद पेड़ की टहनी में फंदे पर लटका हुआ है। जिसकी फौत हो चुकी है। उक्त सूचना बहेला पुलिस को दी गई, पुलिस के द्वारा घटना स्थल पर पंहुचकर शव को नीचे उतार मर्ग पंचनामा किया जाकर शव को पीएम के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहेला ले जाया गया। जहां पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। नीलचंद ने किन कारणों के चलते आत्महत्या कि यह ज्ञात नही हो पाया है पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

भागवत उके को सेवा निवृत्ति पर दी बिदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखंड अंतर्गत सांदीपनि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में भृत्य पर पर पदस्थ भागवत उके 31 मई को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी बिदाई दी। मृदुभाषी भागवत उके का विद्यालय में सेवा-काल 19 वर्षों का रहा, जिन्हें सभी शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारी अत्यंत सम्मान और स्नेह के साथ याद कर रहे हैं। भागवत उके ने विद्यालय में वर्ष 2006 में भृत्य के पद पर कार्यभार संभाला था। वे हमेशा समय के पाबंद, कर्तव्यनिष्ठ और मिलनसार व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते रहे। चाहे सर्दी हो या गर्मी, वर्षा हो या त्योहार हो भागवत उके हर परिस्थिति में अपने कार्यों को पूरी ईमानदारी और लगन से निभाते रहे। विद्यालय में आयोजित विदाई समारोह में प्राचार्य बी आर गुरदे ने भागवत उके के योगदान की सराहना करते हुए कहा, भागवत उके विद्यालय के आधार स्तंभ जैसे रहे हैं। वे न केवल एक कर्मचारी थे, बल्कि सभी के लिए परिवार के सदस्य की भांति थे। समारोह में सभी शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। भागवत उके ने अपने विदाई संबोधन में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह विद्यालय उनके लिए एक परिवार जैसा रहा है, और वे इस जुड़ाव को जीवन भर याद रखेंगे। इस अवसर पर उन्हें विद्यालय की ओर से स्मृति-चिह्न एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह भावनात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ। साथ ही विद्यालय के प्राचार्य बी आर गुरदे, उप प्राचार्य प्रवीण साहू एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं सहायक स्टॉप ने इनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए ईश्वर से कामना की।

अटल पेंशन योजना का लक्ष्य हासिल करने में बालाघाट देश में द्वितीय

प्रशासन की प्लानिंग रंग लायी, जरूरत के समय मिलेगी राशि

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय पेंशन स्कीम में शामिल अटल पेंशन योजना में लक्ष्य से अधिक पात्र नागरिकों को योजना में पंजीयन करने के मामलें में बालाघाट ने बड़ा नाम हुआ है। पूरे देश में बालाघाट द्वितीय स्थान पर है। इस वित्तीय वर्ष में पूरे देश के जिलों के लिए पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य को बालाघाट ने शत प्रतिशत नहीं बल्कि दो गुना अधिक प्राप्त किया है। लीड बैंक मैनेजर संजीव कुमार ने बताया कि 1 मई से 15 जुलाई तक कि स्थिति के लिए वित्तीय वर्ष का लक्ष्य निर्धारित रहता है। जो सभी जिलों के लिए निर्धारित होता है। बालाघाट में कलेक्टर मृणाल मीना ने निर्देशन में अप्रैल में ही राष्ट्रीय बीमा योजनाओं में अभियान के रूप में लिया गया। बालाघाट को 2992 का लक्ष्य दिया गया था। हमने निर्धारित लक्ष्य से दो गुना से अधिक यानी 6141 बैंक खातें पंजीयन किये है। यह 205 प्रतिशत है। नियामक ने टॉप टेन जिलों की सूची जारी की है। सूची के अनुसार मप्र में बालाघाट ने लक्ष्य हासिल कर प्रथम पायदान पर है। के उज्जैन जैसे जिले से बालाघाट आगे निकला है।

इस उपलब्धि में तीन विभागों की अहम भूमिका

जिले में अप्रैल माह से ही राष्ट्रीय बीमा योजनाओं में पात्र नागरिकों का पंजीयन कराने का बड़ा काम हाथ मे लिया था। इस काम को मुख्य रूप से महिला बाल विकास विभाग के अलावा वित्त (बैंक), पंचायत विभाग की बड़ी जिम्मेदारी निभाई है। इसके लिए प्रत्येक सोमवार,बुधवार और शुक्रवार को पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

यह भी जानें क्या है ? अटल पेंशन योजना

अटल पेंशन योजना पूरे देश में खाताधारकों के बैंक खातें से ही जुड़ती है। इसमें सिर्फ बैंक को राजीनामा देना होता है। इस राजीनामा से आपके खाते से ही उम्र के हिसाब से न्यूनतम मासिक किस्त कांटी जाती है। इसके पश्चात 60 वर्ष की आयु के बाद निश्चित रूप से उसी बैंक खातें में मासिक राशि प्राप्त होगी। यह मासिक राशि 1000 से 5000 रूपये तक मासिक पेंशन प्राप्त हो सकती है।

जागपुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मोटरयान अधिनियम से ग्रामीणों को कराया गया अवगत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में गुरुवार को ग्राम पंचायत जागपुर (रेंगाटोला) में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित

जीतेन्द्र मोहन धुर्वे जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा उपस्थित ग्रामीणजनों को नालसा (नशा पीड़ितो को विधिक सेवाए एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015, गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, मोटरयान अधिनियम के प्रावधान, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया साथ ही मध्यस्थता योजना एवं भारतीय संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही श्री धुर्वे ने न्यायालयीन प्रक्रिया एवं साइबर अपराधों से बचाव के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। षिविर में पाक्सो अधिनियम एवं घरेलू हिंसा अधिनियम के प्रावधानों के बारे में अवगत कराया गया। शिविर में ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव, पैरालीगल वालेटियर श्रीमती नन्दिनी बारेकर, जिला प्राधिकरण के कर्मचारी

विकसित कृषि संकल्प अभियान जट्टा और कोपे में 70 मछली पालकों के बनाये केसीसी कार्ड

31 सदस्यों को 3.10 लाख के ऋण स्वीकृति प्रदान की

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में किसानों को तकनीकी सलाह के साथ ही योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। इस अभियान में जर जनपद की दो-दो पंचायतों में शिविर/कार्यशालाएं आयोजित की जा रहीं है। जिला मत्स्य अधिकारी श्रीमती पूजा रोडगे ने बताया कि अभियान में शिविरों के माध्यम से मछुआ कल्याण समितियों के केसीसी कार्ड बनाने के साथ ही समितियो के सदस्यों को केसीसी का लाभ भी दिया जा रहा है। गुरुवार को अभियान के दौरान ही बैहर जनपद की जट्टा पंचायत की मछुआ सहकारी समिति के 31 सदस्यों को केसीसी कार्ड के तहत 3.10 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किये गए है। इसी तरह जट्टा में 31 व लालबर्रा जनपद के कोपे में 39 केसीसी कार्ड बनाये गए है। जट्टा की मछुआ समिति के गेंदालाल, बृजलाल,दिलीप,चन्दनवार, राजेन्द्र, शिवलाल व अशोक सहित 31 सदस्यों को स्वीकृति पत्र प्रदान कर दिए गए है।

सुभाष फूलसुघे पंचतत्व में विलीन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड क्रमांक 12 बालाघाट रोड़ निवासी सुभाष चिंदूजी फूलसुघे (खटीक) का लगभग 56 वर्ष की

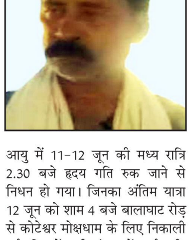

आयु में 11-12 जून की मध्य रात्रि 2.30 बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। जिनका अंतिम यात्रा 12 जून को शाम 4 बजे बालाघाट रोड़ से कोटेश्वर मोक्षधाम के लिए निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में वार्डवासी, नाते- रिश्तेदार, समाज के लोगों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र पुलिस भर्ती घोटाले में 14 गिरफ्तार

फरार आरोपितों पर 10-10 हजार का इनाम घोषित : पुलिस भर्ती घोटाले में अब 33 फर्जी उम्मीदवारों की पहचान

भोपाल। मप्र पुलिस आरक्षक भर्ती घोटाले में फर्जी अभ्यर्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। साल्वर के जरिए परीक्षा देकर आरक्षक बनने वाले अब तक 33 उम्मीदवारों का खुलासा हो चुका है। वहीं जांच एजेंसियों को आशंका है कि यह संख्या और भी अधिक हो सकती है। अब तक इस मामले में 14 आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं और चार फरार आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

राज्य पुलिस द्वारा की जा रही गहन जांच में यह सामने आया है कि आरोपितों ने आधार कार्ड अपडेट कर साल्वर से बायोमेट्रिक दर्ज करवाया, और फिर शारीरिक परीक्षा से पहले फिर से आधार अपडेट कर खुद का बायोमेट्रिक दर्ज कराया। इस तरह

बायोमेट्रिक आधारित सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर नौकरी हासिल की गई।

अब तक 33 फर्जी उम्मीदवारों की पहचान

14 आरोपितों को किया गया गिरफ्तार, जिनमें साल्वर और आधार अपडेट कराने वाले भी शामिल।अब तक 24 एफआईआर दर्ज की गई हैं। चार फरार आरोपितों पर 10-10 हजार का इनाम घोषित। आधार अपडेट की मदद से साल्वर और वास्तविक उम्मीदवारों ने बदला बायोमेट्रिक डेटा। राज्यभर में टीमें गठित, एसआईटी की अभी जरूरत नहीं मानी गई। उत्तर प्रदेश, बिहार, और गुजरात से जुड़े साल्वर गिरोहों का खुलासा।

जांच अधिकारियों ने क्या कहा

जांच अधिकारियों का मानना है कि अभी तो मामला केवल आरक्षक भर्ती परीक्षा तक सीमित है, लेकिन यही गिरोह अन्य सरकारी परीक्षाओं में भी साल्वर भेज चुका हो, इसकी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

10 में से 7 टॉपर्स संदेह के घेरे में

ग्वालियर के एक परीक्षा केंद्र में हुई पटवारी भर्ती परीक्षा में भी 10 में से 7 टॉपर्स संदेह के घेरे में थे। इससे साफ है कि भर्ती प्रक्रियाओं में सुनियोजित फर्जीवाड़ा फैला हुआ है। भर्ती परीक्षाओं में बायोमेट्रिक सत्यापन एक मजबूत प्रणाली मानी जाती है, लेकिन इस घोटाले में दिखाया गया कि कैसे आधार अपडेट प्रणाली का गलत इस्तेमाल कर बायोमेट्रिक डेटा को दो बार बदला गया और सरकारी नौकरी पाई गई।

हर जिले में बनी टीमें

जांच के तय बिंदुओं के आधार पर आगे बढ़ रही पड़ताल। एसआईटी की फिलहाल कोई आवश्यकता नहीं। पुलिस मुख्यालय के मुताबिक सभी संभावित अभ्यर्थियों की जांच की जा रही है।

लाईन परिचारक की शारीरिक दक्षता परीक्षण 26 जून को

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के अधीन 6 बिजली कंपनियों में विभिन्न खाली पदों की पूर्ति हेतु आयोजित परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल द्वारा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता(विद्युत), कनिष्ठ अभियंता(सिविल), विधि सहायक, कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन एवं लाइन परिचारक के पदों को भरने के लिए दस्तावेज सत्यापन हेतु प्रोविजनल सूची जारी कर दी है। कंपनी द्वारा इन तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों की पूर्ति हेतु कुल 546 सफल आवेदकों की प्रोविजनल सूची जारी कर दस्तावेज सत्यापन हेतु सूचना जारी की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि कंपनी द्वारा प्रोविजनल सूची में शॉर्टलिस्ट आवेदकों में कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) के 63, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के 5, विधि सहायक के 21 एवं कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन के 309 आवेदकों को 23 जून से 25 जून तक अलग-अलग तारीखों में दस्तावेज सत्यापन के साथ ही लाइन परिचारक के 148 आवेदकों को 26 जून को शारीरिक दक्षता परीक्षण हेतु व्यक्तिगत सूचना जारी की गई है। कंपनी द्वारा आवेदकों के दस्तावेज सत्यापन मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविन्दपुरा मुख्यालय स्थित पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेन्टर में किया जाएगा तथा लाइन परिचारक के दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण कंपनी के शिवपुरी, भोपाल, नर्मदापुरम एवं ग्वालियर स्थित महाप्रबंधक वृत्त कार्यालय में 26 जून को किया जाएगा। प्रोविजनल सूची में दस्तावेज सत्यापन हेतु चयनित आवेदकों के नाम, सत्यापन तिथि एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण की तिथि की जानकारी कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर भी देखी जा सकती है।

कांग्रेस जिला अध्यक्षों के लिए कवायद

भोपाल। मप्र में कांग्रेस जिला अध्यक्षों के लिए कवायद शुरू हो गई है। जिलों में नया नेतृत्व खोजने पार्टी के 200 नेता निकले हैं। लगातार बैठकर नेताओं और कार्यकर्ताओं से रायशुमारी का सिलसिला शुरू हो गया है। प्रदेश कांग्रेस द्वारा लोगों से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और आलाकमान इंटर-व्यू लेगा उसके बाद जिला अध्यक्षों का नाम फाइनल होगा। दरअसल 30 जून तक पूरे प्रदेश में संगठन सृजन अभियान चलेगा। इसी कड़ी में जिला अध्यक्षों के लिए 6-6 नामों का पैनल तैयार कर आलाकमान को भेजा जाएगा। पैनल में शामिल नामों को दिल्ली बुलाकर इंटरव्यू लिया जाएगा। इंटरव्यू में जो पास होगा उसको जिला अध्यक्ष की कमान मिलेगी। कांग्रेस हाईकमान के इस कदम से प्रदेश में व्याप्त गुटबाजी पर विराम लगेगा। वहीं नए जिला अध्यक्ष हाईकमान द्वारा तय किए जाने के बाद किसी गुट विशेष नेता का लेबल भी नहीं लगेगा।

जुलाई के तीसरे हफ्ते में हो सकता है मानसून सत्र

भोपाल। विधानसभा का मानसून सत्र जुलाई के तीसरे या चौथे सप्ताह में शुरू होगा। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच चर्चा के बाद सत्र की अवधि और सत्र शुरू करने की तारीख फाइनल होगी। इस बार विधानसभा में ई-विधान के जरिये पूरी कार्यवाही की जानी है, इसके लिए भी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने कहा कि ई-विधान को लेकर विधानसभा सचिवालय विभागीय तौर पर तेजी से काम कर रहा है और पिछले दिनों एनईवीए को लेकर विधानसभा में एनआईसी की ओर से प्रजेंटेशन दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष और विधानसभा के अफसरों को अब तक की तैयारियों के बारे में अवगत कराया गया है। ई-विधान की तैयारियों के बीच विधानसभा सचिवालय द्वारा 35 आल इन वन कम्प्यूटर खरीदे जाएंगे। आल इन वन कम्प्यूटर में सीपीयू, मॉनिटर, बैटरी बैकअप, स्पीकर सभी एक साथ होते हैं। इसके लिए अलग से पार्ट्स की खरीदी नहीं करनी पड़ती है। यह 35 कम्प्यूटर विधानसभा सत्र की कार्यवाही के दौरान उपयोग किए जाएंगे। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने जेम पोर्टल के माध्यम से टेंडर बुलाए हैं जो 18 जून को खोले जाएंगे।

अब ई ऑफिस से जाएंगे विधानसभा के जवाब

विधानसभा की कार्यवाही में ई-विधान सिस्टम लागू करने के साथ ही मानसून सत्र में भेजे जाने वाले जवाब भी ई-ऑफिस से भेजे जाएंगे। इसको लेकर विभाग प्रमुखों ने अधीनस्थ अफसरों और जिला अधिकारियों से कहा है कि विधानसभा के मानसून सत्र के प्रश्नोत्तर, ध्यानाकर्षण, याचिका आदि इसी माध्यम से ही भेजे जाएं। इसके जरिये सरकार विधानसभा से संबंधित प्रक्रिया को भी ई आफिस के दायरे में ला रही है। ई-विधान जिसे नेवा (नेशनल ई विधान एप्लीकेशन) के रूप में भी जाना जाता है, यह भारत सरकार की मिशन मोड परियोजना है जो सभी राज्य विधान मंडलों को डिजिटल और कागज रहित बनाने के लिए डिजाइन की गई है। इसका उद्देश्य सभी राज्य विधान मंडलों को पेपरलेस करना, विधायी प्रक्रिया को ऑनलाइन करना है। जिसमें प्रश्न पूछना, विधेयक पेश करना और चर्चा करना शामिल है। विधायकों के बीच सूचना और दस्तावेजों का आदान-प्रदान भी इसी माध्यम से होगा। साथ ही सार्वजनिक पोर्टल पर विधायी सामग्री प्रकाशित करने, सदन की कार्यवाही को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड करने और सार्वजनिक करने की प्रक्रिया इसमें अपनाई जाएगी।

कूनो, गांधीसागर के बाद चीतों का मप्र में तीसरा ठिकाना

भोपाल। प्रदेश में चीतों का तीसरा ठिकाना सागर जिले का नौरादेही अभयारण्य बनेगा। कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य के बाद यहां चीतों की बसाहट के लिए वन विभाग की टीम काम में जुट गई है। इसको लेकर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की एक टीम मई में अभयारण्य का विजिट कर चुकी है और इस टीम ने अभयारण्य के दायरे में आने वाले मोहली, झापा और सिंगपुर की तीन श्रेणियों में फैले 30 किलोमीटर के क्षेत्र को चीतों के लिए तैयार करने का फैसला किया है।

सागर और दमोह जिलों के पठारी इलाके में स्थित नौरादेही अभयारण्य साल, सागौन, महुआ, बांस और बेल के पेड़ों से भरा एक पर्णपाती जंगल है, यहां घास के मैदान हैं जो शाकाहारी जानवरों के लिए उत्तम चारागाह है। यहां मृग और जंगली सुअर जैसे अन्य जानवरों सहित पर्याप्त शिकार है। इसके साथ ही वन विभाग पेंच और कान्हा टाइगर रिजर्व से चीतल या चित्तीदार हिरणों के शिफ्टिंग की व्यवस्था में भी जुटा है। नौरादेही वर्ष 2010 में चीतों के लिए प्राथमिकता वाले स्थलों में शामिल था लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया था। अब फिर इसको लेकर कवायद तेज हुई है। चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन शुभरंजन सेन ने इसकी पुष्टि की है।

13 गांव होंगे विस्थापित

एनटीसीए में वन उप महानिरीक्षक वैभव माथुर की मौजूदगी वाली निरीक्षण टीम जिन तीन रेंज मोहली, झापा और सिंगपुर को

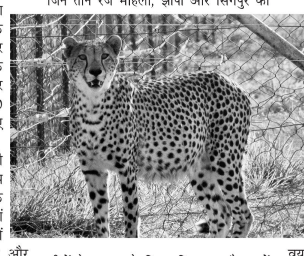

चीतों के रहवास के लिए उचित माना है, उसमें कुल 13 गांव हैं जहां के लोगों का पुनर्वास किया जाएगा। यहां 30 किलोमीटर के क्षेत्र को बाड़ेबंदी भी की जाएगी। वन टीम ने इन 13 गांवों के पुनर्वास के लिए 150 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि मांगी है। अभयारण्य में रिक्त पदों को भरने के लिए नौरादेही में पशु चिकित्सकों की भी तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार नौरादेही अभयारण्य में कुल 93 गांव थे, जिनमें से 44 को बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है। 49 गांव अभी भी अभयारण्य के भीतर हैं। वन विभाग वर्तमान में तीन और गांवों के लोगों के पुनर्वास का काम कर रहा है जबकि मोहली गांव सहित सात अन्य गांवों को इस साल के अंत में पुनर्वास के लिए चुना जाएगा।

2022-23 में कूनो में लाए गए हैं चीते

वर्ष 1952 में भारत में चीतों के विलुप्त होने के बाद सितंबर 2022 में नामीबिया से 8 चीतों को लाया गया था। फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से और 12 चीतों को लाया गया। इन्हें भी कूनो में रखा गया जिससे भारत में चीतों की कुल संख्या 20 हो गई। पिछले दो वर्षों में इन चीतों ने कुल 26 शावकों को जन्म दिया, लेकिन केवल 19 ही जीवित बचे। 12 वयस्क और 19 शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या वर्तमान में 31 है। इस साल अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 12 चीतों में से दो वयस्क नर चीते, पवन और प्रभास को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित कर दिया गया था जिसे देश में बड़ी बिल्लियों के लिए दूसरे घर के रूप में विकसित किया गया है।

मप्र के श्रमिकों को मिलेगा आर्थिक संबल

- सीएम डॉ. मोहन ट्रांसफर करेंगे 150 करोड़

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्रमिकों को 13 जून यानी शुक्रवार को आर्थिक संबल मिलेगा। जबलपुर के बरगी में आयोजित कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव बड़ी सौगात देंगे। मुख्यमंत्री श्रमिक परिवारों के खातों में संबल योजना की राशि ट्रांसफर करेंगे। अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरण में 150 करोड़ की राशि ट्रांसफर करेंगे।

संबल योजना में अनुग्रह सहायता अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपए और सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख दिए जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये और आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख, अंत्येष्टि सहायता के लिए 5 हजार दिए जाते हैं। संबल योजना में महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता के लिए 16 हजार रुपये दिए जाते हैं। वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिए सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार की ओर से वहन किया जाता है। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में 1 करोड़ 76 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं। वहीं भारत सरकार के नीति आयोग की पहल पर प्रदेश के गिग और प्लेटफार्म वर्कर्स को भी संबल योजना में सम्मिलित कर इनका पंजीयन शुरू किया गया है।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान

भाजपा से आए नेता नहीं बन सकेंगे जिलाध्यक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश में बीते करीब 20 सालों से सत्ता से बाहर कांग्रेस अब बदलाव के रास्ते आगे बढ़कर वापसी करना चाह रही है। पार्टी ने अभी से 2028 के विधानसभा चुनाव के लिए संगठन मजबूत करने की रणनीति बनानी शुरू कर दिया है। प्रदेश के सभी जिलों में बनाए जाने वाले जिला अध्यक्ष को लेकर अब मंथन चल रहा है। वहीं अब इस पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इसमें भाजपा से कांग्रेस आए नेताओं को बड़ा झटका लगा है।

दरअसल भाजपा से कांग्रेस में आए नेता जिलाध्यक्ष नहीं बन सकते हैं। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने साफतौर पर कह दिया है

कि भाजपा से आये हुए नेताओं को कम से कम 5 साल पार्टी में कार्यकर्ता के तौर पर गुजारना होगा। जिसके बाद संगठन आगे इस पर फैसला लेगा। यह निर्णय कांग्रेस के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को देखकर लिया गया है, जो पिछले कई सालों से कांग्रेस में सक्रिय रहकर पार्टी के लिए कार्य कर रहे हैं।

युवा जिला अध्यक्षों को चुनने पर विचार

कांग्रेस पार्टी प्रदेश में युवा जिला अध्यक्षों को चुनने पर विचार कर रही है, जिनकी उम्र 45 वर्ष से अधिक नहीं हो। गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 165 ऑब्जर्वर्स को नियुक्ति की है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने भी उम्र की बात पर जोर दिया है कि 5 साल से पहले पार्टी में शामिल नेताओं को पैनल में न जोड़ा जाए। मतलब जिन नेताओं ने पार्टी में 5 साल पूरे नहीं किए हैं, उनके नाम शामिल ना हो।

मप्र में कोरोना से तीसरी मौत

-अब तक सामने आए 123 केस, 86 एक्टिव मामले; जिलेवार जारी नहीं हो रहे आंकड़े

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना से इस साल तीसरी मौत हो गई है। इसकी पुष्टि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड-19 डैशबोर्ड पर की गई है, जिसमें बताया गया कि प्रदेश में कोरोना से एक और महिला की जान गई है। मृतक 52 वर्षीय महिला थीं, जिन्हें ब्रोंकियल अस्थमा था। उन्हें 25 साल पहले टीबी हो चुकी थी और वे मधुमेह से भी पीड़ित थीं।

इन जटिल स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई थी। जानकारी के मुताबिक, महिला रतलाम की रहने वाली थीं और इंदौर के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उन्हें 8 जून को सांस लेने में तकलीफ होने पर भर्ती किया गया था। 10 जून को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई और इसके बाद उन्हें एमआरटीबी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में रेफर किया गया, जहां 11 जून को उनकी मौत हो गई।

सरकारी स्कूलों में गणवेश की राशि अभिभावकों के खातों में आएगी

भोपाल। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सरकारी स्कूल शुरू होने की तैयारी में हैं, वहीं विद्यार्थियों को गणवेश में लेटलतीफी और खराब क्वालिटी को लेकर हर साल शिकायतें मिल रही थीं। इस बार व्यवस्था में बदलाव करते हुए नया प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, जो अगले सप्ताह होने वाली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा, जिसमें गणवेश की राशि अभिभावकों के खाते में सीधे देने पर निर्णय लिया जाना है। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए गणवेश निःशुल्क प्रदान की जाती है। वर्ष 2018 से स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गणवेश बनाने का कार्य किया जा रहा था। खराब क्वालिटी और गणवेश में देरी को लेकर लगातार शिकायतें हो रही थीं। अब इस व्यवस्था में बदलाव की तैयारी हो चुकी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने कैबिनेट बैठक के लिए एक नया प्रस्ताव बनाया है, जिसमें अभिभावक के खाते में सीधे गणवेश की राशि ट्रांसफर करने की बात रखी है। संभवतः अगले सप्ताह में होने वाली कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया जा सकेगा। मध्यप्रदेश में कक्षा 1 से 8 तक तकरीबन 65 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिन्हें इस प्रस्ताव के पारित होने के बाद गणवेश की राशि सीधे एक क्लिक से अभिभावक के खाते में पहुंच जाएगी। विद्यार्थियों को 2-2 गणवेश के लिए 600-600 रुपए देने का प्रावधान है। प्रदेश में हर साल 65 लाख विद्यार्थियों को गणवेश वितरित की जाती है।

जमीनों को आधार से जोड़ने का अभियान ठप

न पटवारी हल्के पर पहुंच रहे न ही अधिकारी गंभीर

भोपाल। प्रदेश सरकार ने कुछ हद तक जमीनों का फर्जीवाड़ा रोकने के लिए जमीनों को आधार से जोड़ने का कार्यक्रम शुरू किया था। शुरुआत में राजस्व अमले ने आधार लिंकिंग में रुचि दिखाई थी, लेकिन बाद में काम ही बंद कर दिया। इस वजह से ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादातर जमीनों के सर्वे नंबर भू-स्वामी के आधार नंबर से नहीं जुड़े हैं। खास बात यह है कि दूरदराज के इलाकों में स्थिति बेहद खराब है। ग्रामीण क्षेत्र में पटवारी हल्कों पर ही नहीं पहुंचते हैं।

राजस्व विभाग ने इसी साल के शुरुआत में जमीनों को आधार से जोड़ने के लिए अभियान शुरू किया था। शुरुआत में राजस्व अमले ने भू-स्वामियों को फोन कर ओटीपी लेकर आधार लिंकिंग का काम शुरू किया था। जिसमें ज्यादा सफलता नहीं मिली। शासन के कार्यक्रम के अनुसार सभी हलका पटवारियों को यह काम करना था, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में पटवारियों ने इसे शुरू ही नहीं किया है। भू-अभिलेख की तकनीकी इकाई के अनुसार प्रदेश में ज्यादातर जमीनों को आधार से लिंक नहीं किया गया है। शहरी क्षेत्र में जिन जमीनों की खरीदी बिक्री हो रही है, वहां आधार लिंक किया गया है। क्योंकि जमीनों के पंजीयन में अब आधार अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में आयुक्त भू-अभिलेख श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने कोई प्रतिक्रिया ही नहीं दी।

निगरानी की खानापूर्ति

मुख्यमंत्री ने तीन महीने पहले जमीनों के आधार लिंक का अभियान शुरू किया था। तब शासन स्तर और आयुक्त भू-अभिलेख स्तर से निगरानी हो रही थी। मौजूदा स्थिति में जमीनों के आधार लिंक की निगरानी करना ही बंद कर दिया है। यही स्थिति जिला और तहसील स्तर पर है। जिलों में जिलाधीश से लेकर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार भी आधार लिंक अभियान की न तो समीक्षा कर रहे हैं और न ही इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इस वजह से आधार लिंक से जमीनों के फर्जीवाड़ा रोकने की जो शासन की मंशा थी, वह पूरी नहीं हो रही है।

ओटीपी का बना रहे बहाना

राजस्व विभाग में किसान एवं अन्य जमीनों के आधार लिंक का काम पटवारियों को सौंपा था। शुरू में पटवारियों ने दूरभाष पर ही लोगों से ओटीपी मांगना शुरू कर दिया था। लोगों ने अनजान नंबर से फोन कर ओटीपी मांगने पर वित्तीय फ्रॉड के डर से ओटीपी नहीं दिया। राजस्व विभाग के निचले अमले ने जमीनों का आधार लिंक नहीं होने पर यह रिपोर्ट भिजवाई की भू-स्वामी ओटीपी नहीं दे रहे हैं। जबकि जमीनों को आधार से जोड़ने का काम पटवारी को भू स्वामी के गांव, पटवारी हल्का पर पहुंचकर करना था, जो नहीं किया गया। इस वजह से जमीनों का आधार लिंक का काम ठप हो गया।

इनका कहना है

जमीनों को आधार से जोड़ने का काम चल रहा है। भू-स्वामी खुद भी विभाग के पोर्टल से अपनी जमीन को आधार से लिंक कर सकते हैं।

विवेक पोरवाल
प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग

दलबदल की शिकार कांग्रेस का बड़ा फैसला

- दलबदलुओं को 5 साल तक नहीं देंगे कोई पद

भोपाल। मध्यप्रदेश में यदि दलबदल के दृष्टिकोण से देखा जाए तो बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेताओं ने ही अपनी पार्टी को गुड बाय कहा है। यह सारे नेता अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। ऐसी स्थिति में कल कांग्रेस की ओर से एक अनूठे फैसले की घोषणा की गई। कांग्रेस ने कहा है कि दूसरे दल से कांग्रेस में आने वाले नेताओं को 5 साल तक कोई पद नहीं देंगे। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी तो उसके बाद सबसे बड़ा दलबदल हुआ था। इस दलबदल में एक साथ 28 विधायकों ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। उसके बाद से अब तक सैकड़ों कांग्रेस नेता अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। अब तो स्थिति यह है कि कई बार चुनाव में कांग्रेस को मैदान में उतारने के लिए योग्य प्रत्याशी भी नहीं मिल पाता है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस द्वारा एक बड़ा और अनूठा फैसला लिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि पार्टी द्वारा यह तय किया गया है कि दूसरे दल से कांग्रेस में आने वाले नेताओं को 5 साल तक कोई पद नहीं दिया जाएगा। इन नेताओं को इस अवधि में कांग्रेस में कार्यकर्ता के रूप में काम करना होगा। जब यह अवधि पूरी हो जाएगी, तब पार्टी द्वारा इन नेताओं के बारे में फैसला लिया जाएगा।

शुभमन इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा - पुजारा

नई दिल्ली। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड के अलग हालातों में अगर वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में सफल रहे तो इससे उनका और टीम का मनोबल काफी बढ़ जाएगा जिससे लाभ आगे भी होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन को मिली है। पुजारा ने कहा, जब आप कप्तान के तौर पर विदेश जाते हैं, तो चाहे आप युवा हों या परिपक्व, यह चुनौतीपूर्ण होगा। इंग्लैंड में शुरुआत करना आसान नहीं होता है पर यह एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार अवसर है। अगर वह इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

पुजारा ने कहा, उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह से पहले यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है क्योंकि बुमराह काम के बोझ और फिटनेस की परेशानियों के कारण सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, "इसलिए अगर ऐसे में युवा शुभमन को जिम्मेदारी दी गई है तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ता चाहेंगे कि वह लंबे समय तक टीम की कप्तानी करें।" उन्होंने शुभमन को कप्तानी और बल्लेबाजी को अलग रखने को कहा। उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर भी उन पर काफी जिम्मेदारी रहेगी पर मुझे भरोसा है कि जिस तरह की प्रतिभा उनमें है, वह इंग्लैंड में सफल होंगे। यह निश्चित रूप से उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे नहीं पता कि कप्तान होने के नाते वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं

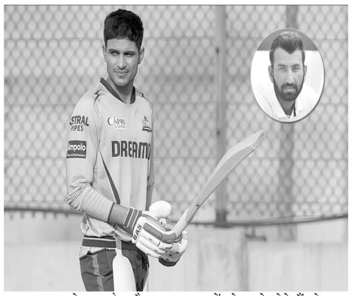

पर एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास किये हैं। वह हमेशा ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में उनपर कप्तानी का दबाव आने की संभावना नहीं है। पुजारा ने कहा, जब आप उच्चतम स्तर पर बल्लेबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आप कभी यह नहीं सोचते कि आप कप्तान हैं या खिलाड़ी, आप हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आपको इसे अलग रखना होगा, जब आप मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे हों तो आपको कप्तानी के बारे में सोचने के बजाय बल्लेबाज के रूप में सोचना होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी का तरीका बदलेगा, उन्हें उसी तरह बल्लेबाजी करनी होगी जैसे वह बल्लेबाजी करते हैं। वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं, उन्हें अपने शॉट खेलना पसंद है और उन्हें अपने शॉट खेलना जारी रखना होगा, लेकिन साथ ही उन्हें इंग्लैंड की परिस्थितियों को समझने और यह पता लगाने की जरूरत है कि कौन सा गेंदबाज सही है।पुजारा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खराब फॉर्म के बावजूद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए उपकप्तान नियुक्त करने को भी सही ठहराया। उन्होंने कहा, बुमराह कप्तान या उप-कप्तान की भूमिका की दौड़ से बाहर हैं और यही कारण है कि पंत को उप-कप्तानी दी गई है। उन्होंने कहा, वह टी-20 प्रारूप में फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। इंग्लैंड में उनका रिकॉर्ड अतीत में काफी अच्छा रहा है और वह उन शानदार पारियों को दोहराने में सक्षम हैं।पुजारा चाहते हैं कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज के रूप में बने रहें, जबकि अगले स्थान के लिए करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन को रखा जाये। उन्होंने कहा, अगर शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं तो अभिमन्यु ईश्वरन या करुण नायर जैसे खिलाड़ी उस स्थान के लिए उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन मैं फिर भी शुभमन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहूंगा।

पूरन के बाद कुछ और खिलाड़ी भी ले सकते हैं संन्यास -सैमी

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि निकोलस पूरन के बाद कई अन्य क्रिकेटर भी संन्यास ले सकते हैं। पूरन ने 29 साल की उम्र में ही लीग क्रिकेट खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद उन्हें अमेरिकी क्रिकेट लीग में एक फ्रेंचाइजी ने कप्तान भी बना लिया। सैमी के अनुसार ये यह घटना वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए एक बड़ी चुनौती को बता रही है। पिछले कुछ सप्ताह में कई स्टार खिलाड़ियों ने खेल को अलविदा कहा है। सैमी का मानना ?हैं कि आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज पूरन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेना खिलाड़ियों को अपनी राष्ट्रीय टीमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित रखने में रही रही चुनौती को साबित करता है। साथ ही कहा कि आने वाले समय में हमें और भी खिलाड़ियों के संन्यास की खबरें मिलेंगी। पूरन ने टी20 विश्व कप से ठीक आठ महीने पहले ही संन्यास की घोषणा की है जबकि उनकी टीम में जगह पक्की थी। वह न केवल वेस्टइंडीज के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे सफल बल्लेबाज है बल्कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहद लोकप्रिय खिलाड़ी भी है। इंग्लैंड दौरे पर वेस्टइंडीज की सीमित ओवरों के प्रारूप में लगातार छठी हार के बाद 'सैमी ने कहा कि बेहतर खिलाड़ियों के संन्यास लेने से राष्ट्रीय टीम को नुकसान हो रहा है। सैमी ने कहा कि उन्होंने इस क्रिकेट और उनके एजेंट के साथ पहले हुई बातचीत के बाद पूरन के बिना योजना बनाना शुरू कर दिया था। सैमी ने कहा, 'आदर्श रूप से ऐसी प्रतिभा को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा पर मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता। मैंने उसे शुभकामनाएं दी, उसने टीम को शुभकामनाएं दीं। अब हमें पूरन के बिना आगे बढ़ने की रणनीति बनानी होगी क्योंकि विश्व कप आने वाला है। ये भी सही है कि उसने हमें काफी पहले बताया जिससे हमारे पास उसके बिना योजना बनाने के लिए अधिक समय हो।' साल 2012 और 2016 में दो बार टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज को खिताब दिलाने वाले सैमी ने आधुनिक क्रिकेट में जल्दी संन्यास लेने की प्रवृत्ति की ओर संकेत करते हुए कहा कि आने वाले समय में और भी अधिक खिलाड़ी पूरन की राह पर जा सकते हैं। सैमी ने कहा, 'मुझे लगता है कि और भी खिलाड़ी संन्यास की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

स्मिथ लॉर्ड्स टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बने, बार्डस्ले का रिकॉर्ड तोड़ा

लॉर्ड्स। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवल बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने यहां लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर जारी डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। स्मिथ ने दूसरे सत्र में अपना अर्धशतक पूरा किया और उन्होंने पारी के 33वें ओवर में चौका लगाकर टेस्ट करियर का 42वां अर्धशतक पूरा किया। वहीं 51वां रन पूरा करते ही इस मैदान पर 99 साल पुराना एक रिकार्ड तोड़ दिया। स्मिथ को इस पारी से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 200 कासे ऊपर रन बनाये।

स्मिथ ने 112 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 66 रन बनाए। इसी के साथ ही स्मिथ लॉर्ड्स टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने अपने ही देश के पूर्व खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले के रिकॉर्ड को तोड़ा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले ने साल 1909 से 1926 के बीच लॉर्ड्स में 5 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से 575 रन बनाए थे पर अब वॉरेन के सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड को स्मिथ ने तोड़ दिया है। अब स्मिथ के लॉर्ड्स में 591 रन हो गए हैं. उन्होंने इस वेन्यू पर 2 शतक और तीन अर्धशतक लगाये हैं। स्मिथ ने इस दौरान सर डॉन ब्रैडमैन और वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी गैरी सोबर्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। ब्रैडमैन के नाम लॉर्ड्स में 4 टेस्ट मैचों की 8 पारियों में 551 रन हैं। वहीं, गैरी सोबर्स ने 5 टेस्ट की 9 पारियों में 571 रन बनाये थे। लॉर्ड्स टेस्ट में 600 रन बनाने वाले स्मिथ दुनिया के पहले बल्लेबाज भी बन सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कॉलिन अपने लुक को लेकर अधिक चर्चाओं में रहे

सिडनी। आम तौर पर क्रिकेटर अपने खेल के साथ ही अपने लुक को भी लेकर चर्चाओं में रहते हैं। क्रिकेटर्स के लुक और उनकी हेयरस्टाइल हमेशा से छायी रहती है। आजकल अधिकतर क्रिकेटर स्टायलिश दाढ़ी में नजर आते हैं। विराट कोहली सहित अधिकतर क्रिकेटर आज दाढ़ी में दिखते है। वहीं कई साल पहले एक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कॉलिन मिलर हर मैच में अपने बालों के बदले रंग और स्टाइल के कारण गेंदबाजी से अधिक बालों को लेकर आकर्षण का केन्द्र बने थे।

कोलिन एक ऑफ-ब्रेक गेंदबाज थे जो लंबे रन अप के साथ गेंदबाजी करते थे और जरूरत पड़ने पर उन्होंने कई बार नई गेंद की जिम्मेदारी भी संभाली, इस गेंदबाज ने साल 2001 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। वह अपने समय के सबसे प्रभावशाली स्पिनर्रों में से एक थे।

कोलिन अपने रंगीन हेयरस्टाइल के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने कई बार अपने बालों को नीला, गुलाबी और अन्य रंगों में रंगा, जो उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन गया था। उनका यह अंदाज क्रिकेट जगत में एक नई पहचान बन गया था। कोलिन का योगदान केवल उनके खेल तक सीमित नहीं था। उन्होंने क्रिकेट जगत में अपनी अनूठी शैली और व्यक्तित्व के माध्यम से एक नई पहचान बनाई। उनके रंगीन हेयरस्टाइल और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें एक विशेष स्थान

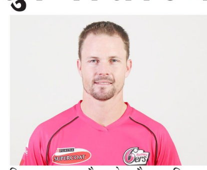

दिलाया। एक मैच के दौरान, मिलर ने अपने बालों को नीला रंगवाया और वेस्ट इंडीज के दिग्गज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श का ध्यान भंग कर दिया। वॉल्श मिलर के बालों के रंग को देखकर लगातार हंसते रहे जिसकी वजह से मैच थोड़ी देर के लिए रुक गया था। मिलर के लुक के उस समय के कप्तान स्टीव वॉ भी फैन थे. एक बार मिलर को इंग्लैंड में रानी से मिलने का अवसर मिला। रंगीन हेयरस्टाइल के कारण उन्हें रानी से मिलने में संकोच हुआ थे।

लंबे रनअप के साथ तेज ऑफ स्पिन करने वाले कॉलिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टेस्ट और 69 एकदिवसीय मैच खेले। उनकी गेंदबाजी शैली में विविधता और बल्लेबाजी में आक्रामकता ने उन्हें एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाया। उनकी गेंदबाजी में ऑफ स्पिन और मध्यम गति दोनों का मिश्रण था, जो बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होता था। कोलिन मिलर का क्रिकेट के प्रति उनका जुनून, मैदान पर उनका अनोखा अंदाज और रंगीन हेयरस्टाइल उन्हें हमेशा यादगार बनाए रखेंगे।

स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

लॉर्ड्स। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अहम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंटों के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने इसी के साथ ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा। स्टार्क ने यह उपलब्धि डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले ही दिन हासिल की।

स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले ओवर में ही दक्षिण अफ्रीकी सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम को पेवेलियन भेज दिया। आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के नाम था पर अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है। शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे पर स्टार्क के नाम अब 11 विकेट हो गए हैं।

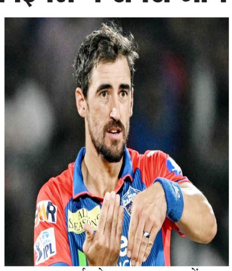

स्टार्क ने साल 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे। वहीं भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चार विकेट लिए थे। उन्होंने भारत के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं। उनके 5 पारियों में 8 विकेट हैं। वहीं भारत के रवींद्र जडेजा के नाम भी आठ विकेट हैं। स्टार्क के डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में कुल 74 विकेट हो गये हैं। पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं। स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम 383 को भी पीछे छोड़ दिया है। इस प्रारूप में उनके 384 विकेट हैं। मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारक्रम को शून्य वहीं रेयान रिकेल्टन को 16 रनों पर ही आउट कर दक्षिण अफ्रीकी टीम को करारा झटका दिया। वहीं कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने भी एक-एक विकेट लिया।

इंग्लैंड के आदिल ने रैंकिंग में हसरंगा, वरुण को पीछे छोड़ा

साउथेम्पटन। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद के पास आईसीसी पुरुष टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचने का अच्छा अवसर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से वह रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आदिल ने सीरीज में 4 विकेट लिए थे। आदिल ने श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और भारत के वरुण चक्रवर्ती को पीछे छोड़ा है। उनकी रेटिंग 710 है, जो कि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब 723 से पीछे है। आदिल के साथी ब्रायडन कार्स को भी वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी का लाभ मिला है और वह अंतिम दो मैचों में 2 विकेट लेने के साथ ही 16 पायदान की छलांग लगाकर 52वें (493) स्थान पर पहुंच गए हैं।

वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट तीसरे टी20आई में 84 रनों की आक्रामक पारी से 48 पायदान ऊपर आकर 16वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि उनके साथी हैरी ब्रूक के 35 और 34 रनों की सहायता से 6 पायदान की छलांग लगाकर 38वें स्थान पर पहुंचे हैं। वहीं शाई होप भी दो बार 40 से अधिक रनों की पारी से 14 पायदान की स्थान उछलकर 15वें स्थान पर पहुंच गए जबकि रोवमैन पॉवेल अंतिम टी20में 45 गेंदों पर नाबाद 79 रन की पारी की सहायता से शीर्ष 20 में पहुंच गये हैं। वहीं जेसन होल्डर 0 रन की पारी और एक विकेट की सहायता से ऑलराउंडर रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर 26वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

इंग्लैंड टीम को सीरीज से पहले ही करारा झटका, तेज गेंदबाज टंग चोटिल हुए

लंदन। भारतीय टीम के खिलाफ 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज से पहले ही मेजबान इंग्लैंड टीम को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग चोटिल हो गये हैं। ऐसे में उनका पहले टेस्ट में खेलना संभव नजर नही आता। इसको देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने 19 वर्षीय युवा गेंदबाज एडी जैक को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरु होगा। टीम में शामिल एडी जैक ने अभी तक केवल दो फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, दोनों इंडिया ए के खिलाफ, और दोनों ही ड्रॉ रहे थे। नॉर्थम्प्टन में खेले गए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इस गेंदबाज ने दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने इस युवा तेज गेंदबाज पर भरोसा जताया है। छह फीट चार इंच लंबे 19 साल के इस गेंदबाज ने इंग्लैंड लॉयंस के लिए खेलते हुए अपने प्रदर्शन से कोच ब्रेडन मैक्कुलम को प्रभावित किया था। जैक ने इंडिया ए के खिलाफ पहले मुकाबले में यशस्वी जायसवाल सहित दो खिलाड़ियों को आउट किया था। इस गेंदबाज को इंग्लैंड लॉयंस में बिना किसी फर्स्ट क्लास मैच के अनुभव के शामिल किया गया था। जैक ने अभी तक 11 लिस्ट ए मुकाबलों में 19 और तीन टी20 मैचो में दो विकेट लिए हैं। इस युवा गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर 19 टीम की ओर से भी खेला है। इस टीम के साथ वह इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी पहुंचे थे। तब उनकी गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा था। मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ अभ्यास मुकाबले में भी वह टीम में शामिल थे। तब इस गेंदबाज ने पांच विकेट लिए थे।

इस सीरीज में इंग्लैंड की टीम तेज गेंदबाजों के फिट नहीं होने से परेशान है। तेज गेंदबाज मार्क वुड चोटिल होने के कारण पहले ही टीम से बाहर हैं। इसके अलावा रहस्यमयी गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। गस एटकिंसन भी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर नहीं पाये हैं। ऐसे में अब टंग का चोटिल होना टीम के लिए बड़ा झटका है। टंग को इंडिया ए के खिलाफ इंग्लैंड लॉयंस के लिए खेलते हुए दूसरी पारी में गेंदबाजी के दौरान परेशानी हुई थी। दूसरी पारी में उन्हें चार ओवर के बाद ही मैदान से बाहर जाना पड़ा था।

श्रेयस को इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिलनी चाहिये थी - गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शामिल किया जाना था। गांगुली के अनुसार श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में काफी अच्छा रहा है। इसके बाद भी उन्हें टीमों में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। श्रेयस की कप्तानी में टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अलावा कई अन्य घरेलू टूर्नामेंटों के भी फाइनल में पहुंची है। आईपीएल में उन्होंने पंजाब की ओर से सबसे अधिक 604 रन बनाये थे। गांगुली के अनुसार श्रेयस को उनके इस प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिलनी चाहिये थी।

गांगुली ने कहा, पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। टेस्ट क्रिकेट हालांकि अलग होता है पर अगर मैं चयन समिति में होता तो उसे शामिल करता, जिससे पता चले वह

क्या कर सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। पांच मैचों की इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम युवा कप्तान के नेतृत्व में उतरेगी। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिन भारतीय टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

कार्यालय उप संचालक मत्स्योद्योग बालाघाट

क्रमांक/ 341 /म0/भण्डार/2025-26 बालाघाट, दिनांक 13-06-25

विज्ञप्ति (निविदा द्वितीय आमंत्रण)

कार्यालय उप संचालक मत्स्योद्योग बालाघाट को मत्स्य बीज उत्पादन वर्ष 2025-26 मे 31.03.2026 तक मत्स्य बीज प्रक्षेत्र मुरझड, गर्रा, बालाघाट, तिरोडी, बैहर एवं बाम्हनवाडा एवं जिले मे संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मत्स्य बीज उत्पादन एवं मत्स्याखेट मे उपयोग आने वाली सामग्री की आवश्यकता है। जिस हेतु सामग्री अनुसार पृथक-पृथक निविदायें दिनांक 13.06.2025 को सायं 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन सायं 4.00 बजे उपस्थित निविदाताओं के समक्ष खोली जावेगी। प्रत्येक सामग्री के लिये पृथक-पृथक निविदायें स्वीकृत की जावेगी निविदा प्रपत्र 13.06.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक रुपये 400.00 (चार सौ मात्र) जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।

कमांक	सामग्री का नाम	अनुमानित मात्रा	धरोहर राशि
1	सरसों खली	10 टन	12000.00
2	राईस ब्रान	10 टन	10000.00
3	रेडीमेड फिश फीड	05 टन	10000.00

नियम एवं शर्ते :-

1. प्रत्येक सामग्री हेतु पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र का उपयोग करना होगा।
2. निविदायें सीलबंद लिफाफे मे प्रस्तुत की जावेगी जिस पर सामग्री का नाम अंकित करना होगा।
3. प्रत्येक सामग्री के लिये पृथक-पृथक धरोहर राशि निविदा प्रपत्र के साथ धनादेश के रूप मे जमा करना होगा।
4. निविदा प्रपत्र की राशि वापसी योग्य नही होगी।
5. निविदाकारों को प्रत्येक सामग्री के साथ सेम्पल प्रस्तुत करना होगा।
6. विज्ञप्ति मे सामग्री उल्लेखित सामग्री की मात्रा अनुमानित है जो सम्पूर्ण वर्ष के दौरान आवष्यकतानुसार मात्रा मे कय की जावेगी कय की सामग्री की प्रतिपूर्ति समय सीमा मे किये जाने जिम्मेदारी संबंधित फर्म की होगी आवंटन उपलब्ध न होने की दशा मे भुगतान बिलम्ब से हो सकता है आवंटन के उपलब्ध होने की दशा मे कार्यालय द्वारा देयकों का भुगतान किया जावेगा।
7. निविदाकार को जी0एस0टी0 नम्बर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
8. नियमानुसार टैक्सों की कटौती विभाग द्वारा की जावेगी जिस पर निविदाकार को कोई एतराज नही होगा।
9. सरसों खली, राईस ब्रान, रेडीमेड फिष फीड की दरें मत्स्य बीज प्रक्षेत्र पहुचाकर अंकित की जावे।
10. वर्ष के दौरान लगने वाली सामग्री का कम से कम 30 प्रतिशत कय दलित उद्यमियों की फर्म से किया जावेगा जिस पर निविदाकार को कोई एतराज नही होगा।
11. निविदा मे कय सामग्री की दर्शाई गई मात्रायें उपलब्ध बजट अनुसार अंकित की गई है जिन्हे भविष्य मे बढाया भी जा सकता है उक्त बढी हुई सामग्री की पूर्ति करने हेतु निविदाकार बाध्य होगें
12. निविदा को मान्य अमान्य, अथवा बिना कोई कारण बताये निरस्त करने का अधिकार उप संचालक मत्स्योद्योग बालाघाट के पास सुरक्षित होगा उनका निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा।

जी-14234/25 स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

उप संचालक मत्स्योद्योग बालाघाट

80 वर्षीय बुजुर्ग संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के इंदौर और भोपाल के बाद अब जबलपुर जिले में भी कोविड-19 के नए वेरिएंट की पुष्टि हो चुकी है। जिले में एक 80 वर्षीय वृद्ध कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, जिनमें जांच के दौरान वायरस के नए वेरिएंट के लक्षण देखे गए हैं। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने उनकी स्थिति को स्थिर बताया है, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

कोविड संक्रमण के लक्षण सामने आने के बाद बुजुर्ग की जांच की गई, जिसमें नए वेरिएंट की पुष्टि हुई। संक्रमण फैलने से रोकने के लिए उन्हें तुरंत आइसोलेट किया गया और डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनकी निगरानी कर रही है। स्वास्थ्य विभाग ने उनके परिजनों की भी जांच शुरू कर दी है ताकि संक्रमण का फैलाव रोका जा सके।

कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें........

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्कता बरतें और कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करें। उन्होंने कहा कि जिले में स्क्रीनिंग और निगरानी को तेज किया गया है। संक्रमण के प्रसार की संभावना को देखते हुए विभाग ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और किसी भी तरह के लक्षण सामने आने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी है।

24 घंटे में 9 नये मरीज...

प्रदेश में कोरोना के मामलों में धीरे-धीरे इजाफा हो रहा है। इंदौर, भोपाल और अब जबलपुर में कोरोना के मरीज सामने आ रहे हैं। इंदौर में सबसे ज्यादा केस हैं, जहां कुल संक्रमितों की संख्या 55 से अधिक हो चुकी है। बीते 24 घंटों में वहां 9 नए मरीज सामने आए हैं, जिससे चिंता बढ़ गई है।

कितना तैयार है जबलपुर...

बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग ने पिछली लहरों से सबक लेते हुए जबलपुर के अस्पतालों की तैयारियों को मजबूत किया है। जिले में अब स्वास्थ्य सेवाओं को अपग्रेड किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। मेडिकल कॉलेज के नए भवन में 500 अतिरिक्त बेड जोड़े गए हैं। पल्मोनरी मेडिसिन एक्सीलेंस स्कूल अस्पताल में 180 बेड और निजी अस्पतालों में करीब 250 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है।

जबलपुर के मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का भी तेजी से विस्तार किया गया है। लगभग 180 करोड़ रुपये की लागत से अस्पतालों में आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू और एचडीयू वार्ड बनाए गए हैं। सुपर स्पेशलिटी और पल्मोनरी अस्पतालों में भी अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

ऑक्सीजन आपूर्ति में आत्मनिर्भरता...

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की भारी किल्लत का सामना करने के बाद अब जबलपुर के अस्पतालों ने ऑक्सीजन सप्लाई में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है। शहर के प्रमुख अस्पतालों में लिक्विड ऑक्सीजन और पीएसए प्लांट स्थापित किए गए हैं, जिनसे ऑक्सीजन की उपलब्धता सुचारु बनी रहेगी। इससे गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा और रिफर की आवश्यकता कम होगी।

सुवेंदु अधिकारी की ममता सरकार से मांग, पीड़ितों से मिलने दिया जाए

कोलकाता। विवादित भूमि को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद दक्षिण 24 परगना के रवींद्रनगर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथित तौर पर महेशतला (मेटियाब्रुज विधानसभा क्षेत्र के तहत) के वार्ड नंबर 7 में अतिक्रमित भूमि पर दुकानें बनाने से शुरू हुआ विवाद तेजी से बढ़ गया। इस दौरान पत्थर और ईंटें फेंकी गईं और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया गया। दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी, लोगों को लूटा जाएगा, पुलिस को कार्रवाई करने से रोका जाएगा और वे घायल होते हैं, तब याचिकाकर्ता डीजीपी को मेल भेजेगा और इसके तहत मैंने कल ऐसा किया।

अवैध उत्खनन पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही

अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते 11 ट्रैक्टर किये जब्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा जिले में सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर दंडात्मक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इसी के परिपालन में वारासिवनी एसडीएम श्री राजीव रंजन पांडे के मार्गदर्शन में गुरुवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए लालबर्रा तहसील के ग्राम धपेरा वैनगंगा में अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते 11 ट्रैक्टर जप्त किये गए। साथ ही जिले के आम नागरिकों से अपील की गई है कि अवैध उत्खनन की सूचना तुरंत पुलिस को देना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग का अमला मौजूद रहा।

रेड नेक्सा एवरग्रीन : ईडी की दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में करीब 24 ठिकानों पर छापेमारी

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक रियल एस्टेट स्कीम से जुड़े 2,700 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ईडी ने दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में करीब 24 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी के सूत्रों के मुताबिक, यह जांच रेड नेक्सा एवरग्रीन नाम की एक रियल एस्टेट स्कीम से जुड़ी है, इसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी हुई है। राजस्थान में ईडी की टीमों ने जयपुर, जोधपुर, सीकर और झुंझुनू जैसे शहरों में छापेमारी की। इसके अलावा, अहमदाबाद (गुजरात) और दिल्ली के कुछ इलाकों में भी एक साथ छापे मारे गए।

रेड नेक्सा एवरग्रीन प्रोजेक्ट ने लोगों को ज्यादा मुनाफे या प्रॉपर्टी देने के वादे करके निवेश के लिए लुभाया था, जैसे फ्लैट, जमीन या एक तय समय के बाद ज्यादा रिटर्न देने की बात कही थी। आरोप है कि स्कीम के द्वारा बड़ी संख्या में निवेशकों से ठगी की गई।

जांच जारी हैं, उम्मीद है कि तलाशी पूरी होने पर और भी जानकारी सामने आएगी। राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में करीब 24 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। परियोजना में निवेशकों को तय समय तक पैसा लगाने के लिए लुभाया गया था।

आखिर में ठगे गए और निराश निवेशकों ने मामले में कई एफआईआर दर्ज कराईं। अधिकारियों ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल को ध्यान में रखते हुए ईडी ने छापेमारी की है। जैसे ही तलाशी अभियान पूरा होगा, घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर की मौत, कार में सड़ी हुई बॉडी मिली

लुधियाना। पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की मौत हो गई। उसकी लाश बठिंडा में एक अस्पताल की पार्किंग में कार से बरामद हुई। अभी यह सामने नहीं आया है कि कमल कौर की हत्या किसने की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसमें 10 जून को सुबह 5:33 बजे एक कार अस्पताल की पार्किंग में आती दिख रही है। एक सिख युवक कार पार्क करके चला जाता है। कमल कौर (30) लुधियाना की निवासी थीं। वह इंस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील बनाती थी। उसके इंस्टाग्राम पर 3.86 लाख फॉलोअर्स हैं।

अल्पसंख्यक संस्थानों पर नहीं थोप सकते ऐसे जीआर- हाईकोर्ट

मुंबई। राज्य के अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को जूनियर कॉलेज के प्रथम वर्ष अर्थात ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करते समय संवैधानिक और सामाजिक आरक्षण लागू करने का निर्देश पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार के उस प्रस्ताव (जीआर) के औचित्य पर सवाल उठाया है। जस्टिस एम एस कार्णिक और जस्टिस एन आर बोरकर की पीठ ने सरकारी वकील नेहा भिड़े से इस बारे में सरकार से निर्देश लेने को कहा कि क्या सरकार छह मई को जारी जीआर में संबंधित खंड को वापस लेने या शुद्धिपत्र जारी करने के लिए तैयार है या नहीं? पीठ ने कहा, आप (सरकार) अल्पसंख्यक संस्थानों को जीआर के दायरे में क्यों लेकर आए? अल्पसंख्यक संस्थानों को इससे तो छूट मिली हुई है। आप इसे बाहर करें। हर बार आपको अदालत के आदेश की जरूरत क्यों पड़ती है? इसे वापस लेना या शुद्धिपत्र जारी करना मुश्किल नहीं है। पीठ ने वकील से राज्य सरकार से निर्देश लेने को कहा। पीठ ने कहा कि यह सरकार की अनजाने में की गई गलती हो सकती है और इसके लिए, शुद्धिपत्र जारी किया जा सकता है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई बृहस्पतिवार के लिए निर्धारित की।

अल्पसंख्यक न्यासों द्वारा संचालित जूनियर कॉलेज के प्रथम वर्ष अर्थात ग्यारहवीं कक्षा में दाखिले के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के कार्यान्वयन का निर्देश देने वाले जीआर को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि ऐसे सहायता प्राप्त या गैर-सहायता प्राप्त संस्थान सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू करने के दायरे से संविधान के अनुच्छेद 15(5) के तहत बाहर हैं। याचिकाओं में दावा किया गया है कि अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक संस्थान शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन कर सकते हैं। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि 2019 में भी इसी तरह का जीआर जारी किया गया था, लेकिन अदालत में चुनौती दिए जाने के बाद इसे वापस ले लिया गया था।

सर्पदंश से युवक अस्वस्थ, जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बीती रात घर से गांव की एक दुकान में सामान खरीदने गए युवक को साँप ने काटकर अस्वस्थ कर दिया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। युवक का नाम थाना वारासिवनी ग्राम एकोड़ी उमरटोला निवासी 17 वर्षीय विजय पिता कुंवरलाल ठाकरे बताया गया है जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम एकोड़ी उमरटोला निवासी विजय ठाकरे कक्षा 12वीं का छात्र है जो आलेझरी स्कूल में पढ़ाई करता है। बताया जा रहा है कि बुधवार रात्रि करीब 8:30 बजे वह घर से गांव की दुकान में कुछ सामान खरीदने के लिए गया था। तभी उसके दाहिने पैर के ऊपर किसी अज्ञात सांप ने उसे काटकर अस्वस्थ कर दिया। जिसकी जानकारी मिलने पर उसके परिजनों ने उसे उपचार के लिए, जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के 2 पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण यानी एचएसवीपी के दो पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है ईडी के चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने एचएसवीपी के दो पूर्व अधिकारियों सुनील कुमार बंसल और राम निवास को एचएसवीपी बैंक खातों में सार्वजनिक धन की हेराफेरी के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 9 जून को गिरफ्तार किया था। ईडी ने एक बयान में कहा कि 2019-2024 की अवधि के दौरान राम निवास हरियाणा से विधायक भी थे ईडी ने सेक्टर-7, पंचकूला (हरियाणा पुलिस) द्वारा अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर जांच शुरू की।

2029 से पहले नारीशक्ति वंदन अधिनियम पर दांव खेलेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार 2029 के आम चुनावों से पहले लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की तैयारी में जुटी है। महिला आरक्षण प्रावधान संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन के बाद ही लागू होने है। वर्तमान में 2026 तक परिसीमन पर वैधानिक रोक है। उसके बाद किसी भी परिसीमन को आगे बढ़ाने के लिए, एक संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदन की जरुरत होगी। सूत्रों के अनुसार, यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियाँ चल रही हैं कि एक बार रोक हटने के बाद परिसीमन अभ्यास शुरू करे। एक परिसीमन आयोग का गठन होगा और यह उम्मीद की जाती है कि वह राज्यों का दौरा करेगा, प्रतिनिधित्व एकत्र करेगा, और किसी भी बदलाव की सिफारिश करने से पहले एक रिपोर्ट तैयार करेगा। दक्षिणी राज्यों ने, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से जनसंख्या नियंत्रण पर बेहतर प्रदर्शन किया है, चिंता व्यक्त की है कि वर्तमान जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर नए परिसीमन से संसद में उनका प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। अधिकारियों ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक भागीदारी से समझौता नहीं किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए तंत्र पर विचार किया जा रहा है कि प्रतिनिधित्व समान रहे और जनसंख्या नियंत्रण में सफल रहे राज्यों को नए सीट-शेयरिंग फॉर्मूले में नुकसान न हो।

गौरतलब है कि वर्तमान में 17वीं लोकसभा में केवल 15 प्रतिशत महिला सांसद हैं और राज्यसभा में सिर्फ 12.2 प्रतिशत महिला सांसद हैं। यह वैश्विक औसत 25.5 प्रतिशत से काफी कम है। भारत के सभी राज्यों में कुल विधायकों में से केवल 8 प्रतिशत ही महिलाएं हैं।

अगली जनगणना, जो मूल रूप से 2021 के लिए निर्धारित थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण विलंबित हो गई, अब प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग करके आयोजित किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, जनगणना में 16 भारतीय भाषाओं में डेटा संग्रह का समर्थन करने वाले एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया जाएगा, साथ ही आधार सत्यापन को भी एकीकृत किया जाएगा।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में गिरफ्तार जीशान को जल्द लाया जाएगा भारत

मुंबई। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता माने जा रहे जीशान अख्तर को कनाडा में गिरफ्तार कर लिया गया। भारत सरकार ने प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू कर दी है। यदि सब कुछ योजनानुसार चलता है तो जीशान अख्तर को जल्द ही भारत लाया जाएगा, जिससे गैंगस्टर नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की गुत्थियाँ और खुल सकती हैं।

महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने बताया कि 22 साल के जीशान अख्तर को फर्जी पासपोर्ट के मामले में पकड़ा गया है। योगेश कदम ने बताया, जीशान को कनाडा में गिरफ्तार किया गया है। हमने उसे भारत वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारत लाकर उससे आगे की पूछताछ की जाएगी। मुंबई पुलिस के अनुसार, कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अन्मोल बिश्नोई ने जीशान अख्तर और शुभम लोंकार को बाबा सिद्दीकी की हत्या की सुपारी दी थी। बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अब तक इस मामले में 25 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जीशान अख्तर पर पंजाब और महाराष्ट्र में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 7 अप्रैल को पंजाब में पूर्व बीजेपी मंत्री मनो कालिया के घर पर हुए ग्रेनेड हमले की साजिश में मुख्य आरोपी बताया गया है। 16 मार्च को यूट्यूबर रोजर संधू के घर पर हुए ग्रेनेड हमले में भी उसका नाम सामने आया था। फरवरी 2025 में वायरल हुए एक वीडियो में जीशान ने दावा किया था कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी की मदद से उसने एशिया के बाहर एक देश में आश्रय प्राप्त कर लिया है। पुलिस ने वीडियो की पुष्टि की थी, लेकिन अन्य विवरणों की जांच जारी थी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त इस दिन आएगी, कर लें तैयारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त का इंतजार कर रहे करोड़ों किसानों के लिए गुड न्यूज है। ताजा जानकारी के मुताबिक किसानों के खाते में 2000 रुपये जल्द ही आने वाले हैं। पिछली किस्त फरवरी में आई थी। इसके बाद 20वीं किस्त के 2000 रुपये का इंतजार सभी किसानों को है। बताया जा रहा है कि 20 जून, 2025 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 2000 रुपये खाते में ट्रांसफर हो सकते हैं। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

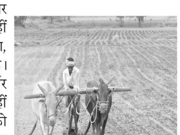

पीएम किसान सम्मान निधि योजना में आ रही गड़बड़ियों की शिकायतों को देखकर मोदी सरकार ने तय किया है कि सिर्फ उन्हीं किसानों के खाते में पैसा जाएगा, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन कराया हुआ है। अगर अभी तक आपने फार्मर रजिस्ट्री कराकर फार्मर आईडी नहीं बनाई है, तब फिर 20 जून को 20वीं किस्त खाते में नहीं आएगी। हालांकि अभी भी समय है और यह काम आप ऑनलाइन कर सकते हैं। अगर किसी ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है, तब उनके खाते में आने वाला पैसा अटक सकता है। आप ऑफिशियल पोर्टल पर जाकर अभी भी यह काम कर सकते हैं। पिछली बार फरवरी में पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त केंद्र सरकार की ओर से 10,04,67,693 किसानों के खाते में भेजी गई थी।

देशभर में अभी भी बहुत से किसान हैं, जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है। यूपी में 1.14 करोड़ किसानों ने फार्मर रजिस्ट्रेशन कराया है। जबकि राज्य में 2.88 करोड़ लाभार्थी हैं। मध्य प्रदेश में हालांकि 88 फीसदी से ज्यादा किसान फार्मर रजिस्ट्री करा चुके हैं। यहां 95.18 लाख लाभार्थी हैं, जिसमें से 74 लाख किसान रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। महाराष्ट्र में भी अभी तक 86 फीसदी किसानों ने ही रजिस्ट्रेशन कराया है। राजस्थान में 90 लाख से ज्यादा किसान हैं जबकि 60.49 लाख किसानों ने ही फार्मर रजिस्ट्रेशन कराया है।

राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार पर साधा निशाना, कहा

पीएम ने 11 सालों में हर वादा तोड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर गुरुवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में अपना हर वादा तोड़ा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक खबर का हवाला भी दिया जिसमें दावा किया गया है कि पिछले सात वर्षों में 18 लाख उद्यम बंद हो गए। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, मोदी जी ने 11 साल में हर वादा तोड़ा। दो करोड़ नौकरियां? (वादा) जुमला बन गया। पकोड़े तलवाए, फॉर्म भरवाए, लेकिन कोई दिशा नहीं दी।

उन्होंने दावा किया, डिग्री के बाद भी नौकरी नहीं, तैयारी के बाद भी भर्ती नहीं, मेहनत के बाद भी सम्मान नहीं। यह सिर्फ बेरोज़गारी नहीं, यह देश के युवाओं की उपेक्षा है। उन्हें एक सपना दो। उन्हें राष्ट्रनिर्माण में भागीदार बनाओ। कांग्रेस नेता ने कहा कि रोज़गार क्रांति अब जरूरी है, लेकिन यह सरकार इस समस्या को सुलझा नहीं सकती, क्योंकि वह खुद इसका कारण है।

जयंत पाटिल ने पद छोड़ने के दिए संकेत, शरद पवार ने संभाला मोर्चा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 26वें स्थापना दिवस पर पुणे के बालगंधर्व सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-एसपी) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि नए चेहरों को मौका देना जरूरी है। उन्होंने पार्टी प्रमुख शरद पवार की मौजूदगी में पद से इस्तीफा देने के संकेत दिए। यह घोषणा एनसीपी के दो गुटों के बीच संभावित विलय और स्थानीय निकायों के चुनावों की अटकलों के बीच की गई है। राकांपा के संस्थापक शरद पवार भी मंच पर मौजूद थे। पाटिल ने कहा, पवार साहब ने मुझे बहुत सारे अवसर दिए। मुझे सात साल के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन अब पार्टी के लिए नए चेहरों को मौका देना महत्वपूर्ण है। उनके इस फैसले का पार्टी कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध किया।

कार्यकर्ताओं की पद पर बने रहने की भावनात्मक अपील के बीच पाटिल ने भावुक स्वर में कार्यकर्ताओं से शांत रहने का अनुरोध किया। पाटिल ने अपना भाषण समाप्त करते हुए कहा, यह पार्टी पवार साहब की है इसलिए उन्हें उचित निर्णय लेना चाहिए। मैं पवार साहब और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं।पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि जयंत पाटिल के प्रस्ताव पर निर्णय लेने से पहले पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच चर्चा और विचार-विमर्श किया जाएगा।पवार ने कहा, जयंत पाटिल ने मुझसे इच्छा जताई है कि नए चेहरों को मौका मिलना चाहिए। आपको और मुझे उनके साथ खड़ा होना चाहिए। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि हम उनके और पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे और सामूहिक निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी को जयंत पाटिल पर निर्णय लेते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर जिले में नए चेहरों को अवसर मिले। शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा जुलाई 2023 में तब विभाजित हो गई थी जब उनके भतीजे अजित पवार तत्कालीन शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे।घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राकांपा (सपा) विधायक रोहित पवार ने कहा कि राज्य इकाई के प्रमुख की कमान किसी ऐसे व्यक्ति को सौंपी जानी चाहिए जो कई वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहा हो और जिसकी पृष्ठभूमि साधारण हो।

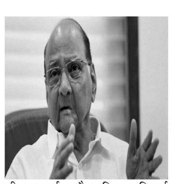

6 दिन बीत जाने के बाद भी अवैध कॉलोनाईजरों पर नही हुई कार्यवाही

बालाघाट एसडीएम ने फिर किये 55 से ज्यादा कॉलोनाइजरों के प्रकरण तैयार, एसडीएम ने कॉलोनाईजरों पर एफआईआर दर्ज करने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखा पत्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बीते दिनों बालाघाट एसडीएम द्वारा शहर में बढ़ रही अवैध कॉलोनीयों को लेकर कार्रवाई की गई थी और 10 कॉलोनाइजरों पर कार्रवाई करने नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखा था, किंतु 6 दिन बीत जाने के बावजूद भी अभी तक अवैध रूप से कॉलोनी बनाने वाले कॉलोनाइजरों पर नगर पालिका द्वारा किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने प्रेषित नही किया है । बालाघाट एसडीएम द्वारा अवैध रूप से बढ़ रही कॉलोनी को लेकर फिर 55 से अधिक कॉलोनाइजरों के प्रकरण तैयार कर लिए गए हैं जिस पर जल्द ही बालाघाट एसडीएम कार्रवाई करने प्रेषित करेंगे । बताया यह भी जा रहा है कि बहुत से कॉलोनाइजरों द्वारा कॉलोनी बनाते समय नियम कानून का पालन न करते हुए ही अवैध रूप से कालोनियां काट दी गई है जिस पर अब जिला प्रशासन धीरे-धीरे सख्त होते जा रहा है।

आपको बता दे कि जिले में बिना टीएनसीपी, कॉलोनाईजर का लायसेंस और कॉलोनी विकास की अनुमति के कॉलोनाईजरो ने, लोगों को कॉलोनी का सपना दिखाकर, कृषि भूमि में भूखंड काटकर बेच दिए। जिसमें कई लोगों ने मकान तो बना लिया लेकिन, अब उन्हें मूलभूत सुविधाओं के परेशान होना पड़ रहा है। जिले में कॉलोनी के अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन ने सख्ती तो दिखाई लेकिन अधिनस्थ अमला ही उसे पालन करवाने में नाकाम दिखाई दे रहा है। विगत 6 जून को नगर सहित बालाघाट अनुविभाग में 10 कॉलोनाईजर पर एफआरआर और जुर्माना के आदेश कलेक्टर न्यायालय से हुए थे। जिसमें एसडीएम गोपाल सोनी ने सीएमओ को पत्र लिखकर एफआईआर दर्ज कराने कहा था लेकिन पूरे 6 दिन बीत जाने के बाद भी, कॉलोनाईजरो पर एफआईआर नहीं हो सकी है। कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने बताया कि अवैध कॉलोनी निर्माणकर्ताओं पर एफआईआर को लेकर कोई पत्र और आदेश नहीं मिला है, यदि पत्र या आदेश आता है तो मामले में निर्देशानुसार कार्यवाही की जाएगी। बता दे कि बालाघाट नगर सहित गायखुरी, सरेखा, आंवलाझरी और बूढ़ी में अवैध कॉलोनी निर्माणकर्ताओं वार्ड-9 आंवलाझरी के मणी पति राकेश जैन, गायखुरी के राकेश कुमार पिता टटूलाल चौधरी, बालाघाट के मुनेंद्र पिता रोहिणी, बालाघाट की चंद्रकला पति गुलाब, देवटोला के जसवंतलाल पिता नेतलाल लिल्हारे,गायखुरी के शिवशंकर बिसेन पिता ईसाराम बिसेन, बूढ़ी की प्रमिला पति चिंतामन धुवारे, सरेखा की पुष्पकिरण लिल्हारे पति निरंजन लिल्हारे, गायखुरी के दीपक लिल्हारे पिता रूपचंद लिल्हारे और बालाघाट के नरेंद्र पिता आज्ञाराम गांधी पर एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही 5-5 लाख रूपए किए जाने के आदेश, कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी मृणाल मीणा के न्यायालय से हुए थे।

55 कॉलोनाईजरों के प्रकरण हो रहे तैयार- गोपाल सोनी

एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि पूर्व में 10 कॉलोनाईजर पर बिना टीएनसीपी, कॉलोनाईजर का लायसेंस और कॉलोनी विकास अनुमति लिए बगैर कॉलोनी बनाने पर, कलेक्टर न्यायालय से एफआईआर और जुर्माने के आदेश हुए थे। इसी तरह के 55 कॉलोनी और है, जो नगरपालिका अधिनियम और ग्राम पंचायत अधिनियमों की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध है, जिनके भी प्रकरण तैयार किए जा रहे है।

मप्र नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार दो दिन के बालाघाट प्रवास पर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार 13 एवं 14 जून दो दिन के बालाघाट प्रवास पर होंगे। उनके निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वे शुक्रवार सुबह 5 बजे जिला धार से इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 6 बजे इंदौर एयरपोर्ट आगमन के बाद वे बाय प्लेन नागपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 8:05 बजे नागपुर आगमन के पश्चात करीब 9 बजे बाय रोड भंडारा तुमसर होते हुए करीब 11:30 बजे नेता प्रतिपक्ष श्री सिंघार बालाघाट जिले की तहसील कटंगी पहुँच जनसामान्य से भेंट सुनिश्चित करेंगे। इसके पश्चात वारासिवनी में जनसामान्य से भेंट कर करीब 2:30 बजे बालाघाट के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। 3 बजे सर्किट हाउस में पत्रकारवार्ता तथा 4 बजे संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस के बैठक में सम्मिलित होंगे। वहीं 6 बजे श्री सिंघार बालाघाट से बैहर के लिए प्रस्थान कर रात्रि बैहर रेस्ट हाउस में विश्राम करेंगे। नेता प्रतिपक्ष श्री सिंघार शनिवार 11 बजे बैहर से परसवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे। यहाँ वे संगठन सृजन अभियान के विभिन्न कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसी तरह करीब 2 बजे बैहर में तथा बैहर से सालेटेकरी होते हुए करीब 5 बजे लांजी पहुंच श्री सिंघार संगठन सृजन अभियान के विभिन्न कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। नेता प्रतिपक्ष श्री सिंघार शाम 7:30 बजे किरनापुर पहुंच करीब 9:30 बजे किरनापुर से प्रस्थान करेंगे। वहीं 10:30 बजे गोंदिया पहुंच 11 बजे गोंदिया से बाय ट्रेन भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

मोटरसाइकिल की ठोकर से घायल 4 वर्षीय बालक प्रांशुल की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। खैरलांजी में खेरी रोड पर मोटरसाइकिल की ठोकर से घायल एक बालक की मौत हो गई। मृतक बालक प्रांशुल पिता दीपक रनगढ़े 4 वर्ष खैरलांजी निवासी है। खैरलांजी पुलिस ने इस बालक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक रनगढे खैरलांजी निवासी जिला न्यायालय डिंडोरी में सहायक ग्रेड के पद पर पदस्थ है। जिनकी पत्नी अनीता रनगढे बच्चों के साथ खैरलांजी में रहती है। 11 जून की शाम 5:00 बजे करीब अनीता अपने घर के सामने आंगन में खड़ी थी। छोटा बेटा प्रांशुल घर के सामने रोड पर खड़ा था तभी घर के सामने रोड से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की ठोकर से प्रांशुल घायल हो गया ।प्रांशुल के चिल्लाने पर अनीता रंगगढे दौड़ी और प्रांशुल को उठाई। आवाज लगाने पर मोहल्ले और परिवार के लोग भी आ गए थे। मोटरसाइकिल से की ठोकर से घायल प्रांशुल को खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बालक प्रांशुल को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। परिजनों ने घायल प्रांशुल को गोंदिया ले जाकर वहा के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे। खबर मिलते ही दीपक रनगढे भी डिंडोरी से सीधे गोंदिया पहुंच गए थे। 12 जून को बालक प्रांजल के हालात में सुधार होने पर डॉक्टर के सलाह पर प्रांशुल को उसके माता-पिता गोंदिया से घर ला रहे थे। 1.30 बजे करीब गोंदिया से खैरलांजी लाते समय अचानक बालक प्रांशुल की तबीयत बिगड़ गई और उसे खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। खैरलांजी पुलिस ने मृतक बालक प्रांशुल का शव पंचनामा कार्यवाही बाद पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। मोटरसाइकिल का नंबर एमपी 50 जेड ई 5209 बताया गया है।

फोरव्हीलर की ठोस से मोटरसाइकिल सवार बुजुर्ग घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। गुरुवार की दोपहर कोसमी उड़ान पुल के समीप एक तेज रफ्तार अज्ञात फोरव्हीलर चालक ने मोटरसाइकिल में सवार एक 65 वर्षीय बुजुर्ग को पीछे से ठोस मार दी। दोपहर करीब 11:30 बजे हुए इस सड़क हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए उसे रिफर किया गया है। इस सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप घायल बुजुर्ग का नाम थाना व ग्राम हट्टा वार्ड नंबर 04 निवासी 65 वर्षीय लाखनसिंह पिता उमेदलाल लिल्हारे बताया गया है। जिसका नगर के एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हट्टा निवासी लाखन सिंह लिल्हारे खेती बाड़ी का काम करता है। जो गुरुवार को किसी काम से मोटरसाइकिल में सवार होकर बालाघाट आ रहा था। बताया जा रहा है कि अभी वह कोसमी उड़ान पुल के समीप पहुचा ही था कि मलेवार गली के पास।एक अज्ञात फोरव्हीलर के चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए बुजुर्ग की मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार दी। जिससे बुजुर्ग मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां के चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल से परिजनों के आग्रह पर रिफर कर दिया। जहां उनके परिजनो ने उसे नगर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है।

आसमानी बिजली गिरने से 5 वर्षीय मासूम बालिका की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोयलीखपा के सरई टोला में आसमानी बिजली गिरने से 5 वर्षीय मासूम बालिका की मौत हो गई। मंगलवार की शाम को यह प्राकृतिक घटना उस समय हुई जब यह बच्ची अपने घर के पीछे कटहल के पेड़ के नीचे खेल रही थी। गढ़ी पुलिस ने मृतिका संध्या पिता महेंद्र कुसरे 5 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोयली खापा के सरई टोला निवासी महेंद्र कुसरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। मंगलवार को दोपहर में महेंद्र कुसरे अपनी पत्नी के साथ गढ़ी बाजार आ गए थे। घर में उनकी बेटी संध्या सहित अन्य बच्चे थी। 4:30 करीब संध्या अपनी चचेरी बहन विनीता के साथ अपने घर के पीछे बाड़ी में कटहल के पेड़ के नीचे खेल रही थी। तभी तेज आंधी तूफान के दौरान बारिश हुई और आसमानी बिजली कटहल के पेड़ के ऊपर गिरने से संध्या आसमानी बिजली की चपेट में आने से बेहोश हो गई। संध्या को कटहल के नीचे बेहोश होते देख विनीता जो कुछ दूरी पर खड़ी थी वह घर पहुंची और अपने दादा सोन सिंह कुसरे को बताई। सोनसिह कुसरे घर के पीछे कटहल के पेड़ के नीचे पहुंचा जहां पर संध्या पड़ी हुई थी। और जिसकी सांसे चल रही थी। सोन सिंह कुसरे ने तुरंत प्राइवेट वाहन से संध्या को शाम 5:30 बजे गढ़ी अस्पताल लाये किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिये। संध्या की गढ़ी अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट सोहन सिंह कुसरे 55 वर्ष ने गढ़ी पुलिस थाना में की थी। 11 जून को गढ़ी पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक चंद्र कुमार अहिरवार ने संध्या का। शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक हुई स्थगित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 13 जून को जिला पंचायत के सभागृह में प्रस्तावित की गई थी। यह बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। आगामी बैठक की सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
MINING ENGINEERING
CIVIL ENGINEERING
MECHANICAL ENGINEERING
ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट